कानपुर, शनिवार, 14 मार्च, 2026
वर्षः 03, अंकः 67, पृष्ठः 8+4

सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com
Website: www.swarajindianews.com

सांध्यकालीन समाचार पत्र

स्वराज इंडिया

इनसाइड जापान सागर की ओर दागे कई बैलिस्टिक मिसाइल...>Pg12

टूरिस्ट बस-ट्रक की टक्कर, महिला की मौत, 15 घायल...>Pg03

मूल्य: 2 ₹

पश्चिम एशिया युद्ध के बीच भारत की ऊर्जा सुरक्षा को बड़ी राहत

होर्मुज का रास्ता खुला तो 'जले चूल्हे'

स्वराज इंडिया ब्यूरो

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध और समुद्री तनाव के बीच भारत को बड़ी राहत मिली है। स्ट्रेट आफ होर्मूज से गुजरने पर लगी रोक के बीच ईरान ने भारत के दो एल.एन.जी. टैंकरों को सुरक्षित मार्ग देने पर सहमति जता दी है। यह फैसला ऐसे समय आया है जब देश के कई हिस्सों में रसोई गैस की आपूर्ति को लेकर घबराहट, लंबी कतारें और जमाखोरी की खबरें सामने आ रही थीं।

अंतरराष्ट्रीय समाचार एजेंसी रायटर्स की रिपोर्ट के अनुसार ईरान ने भारत-ध्वज वाले दो एल.एन.जी. जहाजों "शिवालिक" और "नंदा देवी" को होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की अनुमति दी है। इनमें से एक जहाज भारतीय नौसेना की निगरानी में सुरक्षित रूप से इस समुद्री मार्ग को पार कर चुका है, जबकि दूसरा जहाज भी भारत की ओर बढ़ रहा है।

यह निर्णय इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे अहम ऊर्जा मार्गों में से एक है, जहां से वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा गुजरता है। पश्चिम एशिया में बढ़ते सैन्य तनाव के कारण यहां जहाजों की आवाजाही बाधित हो गई थी, जिससे भारत सहित कई देशों की ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित हुई।

भारत में गैस संकट की स्थिति इसलिए भी गंभीर हुई क्योंकि देश की घरेलू जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात पर निर्भर है। आंकड़ों के मुताबिक भारत अपनी कुल एलपीजी जरूरत का लगभग 60-65 प्रतिशत आयात करता है, और इन आयातों का करीब 90 प्रतिशत हिस्सा होर्मुज के रास्ते ही आता है। पश्चिम एशिया के युद्ध के कारण जहाजों की आवाजाही रुकने से कई भारतीय पोत खाड़ी क्षेत्र में फंसे हुए थे और देश में एलपीजी सप्लाई पर दबाव बढ़ गया था। ऐसे में ईरान द्वारा भारतीय जहाजों को रास्ता देने को भारत के लिए एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक सफलता माना जा रहा है।

इधर भारत सरकार ने भी गैस संकट को नियंत्रित करने के लिए कई कदम उठाए हैं। पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार घरेलू एलपीजी उत्पादन में 5 मार्च के बाद से लगभग 30 प्रतिशत की वृद्धि की गई है और प्राथमिकता घरेलू उपभोक्ताओं को दी जा रही है। साथ ही लोगों से घबराकर सिलेंडर बुकिंग न करने की अपील की गई है क्योंकि अचानक बुकिंग बढ़ने से सप्लाई सिस्टम पर अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है। हालांकि जमीनी स्तर पर कई राज्यों में गैस एजेंसियों के बाहर लंबी कतारें देखी गईं। होटल, ढाबे और छोटे खाद्य व्यवसाय भी गैस की कमी से प्रभावित हुए हैं और कई जगह वैकल्पिक ईंधन की ओर रुख करना पड़ा है। ऊर्जा विशेषज्ञों का मानना है कि अगर पश्चिम एशिया में तनाव लंबा खिंचता है तो भारत को अपनी ऊर्जा आपूर्ति के वैकल्पिक रास्तों और घरेलू उत्पादन बढ़ाने पर और अधिक ध्यान देना होगा।

- ईरान ने भारत के दो एल.एन.जी. टैंकरों को होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की अनुमति दी
- भारत आ रहे जहाजों के नाम: "शिवालिक" और "नंदा देवी"
- पश्चिम एशिया युद्ध के कारण समुद्री मार्ग बाधित होने से भारत में गैस संकट की स्थिति बनी।
- भारत अपनी 60-65% एलपीजी जरूरत आयात से पूरी करता है।
- इन आयातों का करीब 90% होर्मुज मार्ग से गुजरता है।
- संकट के बीच भारत ने घरेलू एलपीजी उत्पादन लगभग 30% बढ़ाया।
- घबराहट में बुकिंग बढ़कर लगभग 5.5 लाख से 7.6 लाख दैनिक बुकिंग तक पहुंच गई।
- सरकार ने घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता देते हुए उद्योगों को वैकल्पिक ईंधन अपनाने की सलाह दी।

सोनम वांगचुक की एनएसए हिरासत खत्म, केंद्र ने रिहाई का रास्ता किया साफ

स्वराज इंडिया ब्यूरो

नई दिल्ली। प्रसिद्ध पर्यावरणविद् और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत की गई हिरासत को केंद्र सरकार ने समाप्त कर दिया है। गृह मंत्रालय ने इस संबंध में आदेश जारी करते हुए उनकी हिरासत तत्काल प्रभाव से रद्द करने का निर्णय लिया है। इस फैसले के बाद उनकी रिहाई का रास्ता साफ हो गया है।

केंद्र सरकार का कहना है कि यह निर्णय लद्दाख में शांति, स्थिरता और संवाद का माहौल बनाने के उद्देश्य से लिया गया है। गृह मंत्रालय के अनुसार सरकार क्षेत्र से जुड़े सभी पक्षों के साथ रचनात्मक बातचीत के जरिए समाधान निकालना चाहती है, इसलिए यह कदम उठाया गया है।

गृह मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि लद्दाख के सामाजिक, राजनीतिक और पर्यावरणीय मुद्दों पर बातचीत के लिए विश्वास और सहयोग का वातावरण आवश्यक है। सरकार का मानना है कि संवाद और आपसी समझ के जरिए ही क्षेत्र से जुड़े जटिल मुद्दों का स्थायी समाधान निकाला जा सकता है। इसी सोच के तहत वांगचुक की एनएसए हिरासत को समाप्त करने का निर्णय लिया गया है। मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया कि लद्दाख की सुरक्षा, विकास और सामाजिक स्थिरता सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। इन मुद्दों पर विचार-विमर्श के लिए पहले ही एक उच्च स्तरीय समिति गठित की जा चुकी है, जो विभिन्न संगठनों और प्रतिनिधियों के साथ बातचीत कर रही है। सरकार को उम्मीद है कि इस प्रक्रिया के माध्यम से लद्दाख से जुड़े संवेदनशील मुद्दों का सकारात्मक और सर्वसम्मत समाधान सामने आएगा।

- ➪ लद्दाख में शांति और संवाद का माहौल बनाने को सरकार का फैसला
- ➪ विरोध प्रदर्शनों के बाद पिछले साल हुई थी गिरफ्तारी

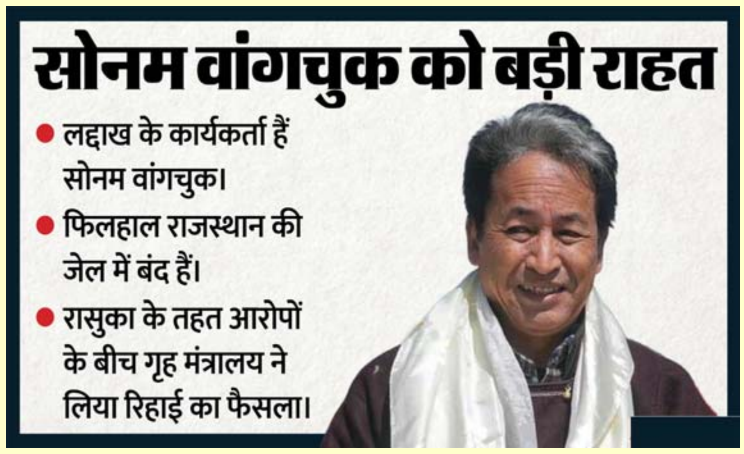

दरअसल यह पूरा मामला पिछले वर्ष सितंबर में लेह में हुए विरोध प्रदर्शनों से जुड़ा हुआ है। उस समय बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतर आए थे और कई स्थानों पर तनाव की स्थिति बन गई थी। प्रदर्शनकारियों की मांग थी कि लद्दाख को विशेष संवैधानिक संरक्षण दिया जाए और पर्यावरणीय संतुलन को बनाए रखने के लिए कड़े कदम उठाए जाएं।

स्थिति को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन ने सख्त कदम उठाए और सोनम वांगचुक को हिरासत में ले लिया। बाद में उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत गिरफ्तार कर राजस्थान के जोधपुर स्थित जेल में भेज दिया गया था। उस समय सरकार का तर्क था कि यह कार्रवाई सार्वजनिक व्यवस्था और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए की गई है। अब केंद्र सरकार द्वारा हिरासत समाप्त किए जाने के बाद माना जा रहा है कि लद्दाख से जुड़े राजनीतिक, सामाजिक और पर्यावरणीय मुद्दों पर चर्चा एक बार फिर तेज हो सकती है। साथ ही सरकार और स्थानीय संगठनों के बीच संवाद की नई संभावनाएं भी खुल सकती हैं।

एसआईआर में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 70 बीएलओ व सुपरवाइजर सम्मानित

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बीएलओ से किया संवाद, मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने पर दिया जोर

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय के वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई प्रेक्षागृह में आयोजित कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 70 बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) और बीएलओ सुपरवाइजर को सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने बीएलओ और सुपरवाइजर से सीधे संवाद कर अभियान से जुड़े अनुभव और सुझाव भी प्राप्त किए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि मतदाता सूची को शुद्ध और अद्यतन बनाने में बीएलओ और सुपरवाइजर की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उनके समर्पण और मेहनत के कारण ही यह अभियान प्रभावी ढंग से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल होना लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक है।

संवाद के दौरान किदवई नगर विधानसभा क्षेत्र के बूथ संख्या 72 के बीएलओ संजय कुमार शर्मा ने बताया कि उन्होंने अपने बूथ के मतदाताओं का एक व्हाट्सएप समूह बनाकर आवश्यक सूचनाएं साझा कीं और घर-घर जाकर परिवारों का विवरण एकत्र किया, जिससे कार्य समय से पूरा करने में मदद मिली। बिठूर विधानसभा क्षेत्र के बूथ संख्या 384 के प्रथम बार नियुक्त बीएलओ अंकित पटेल ने कहा कि शुरुआत में कुछ कठिनाई हुई, लेकिन अधिकारियों के मार्गदर्शन और प्रशिक्षण से कार्य सरलता से पूरा हो गया। कल्याणपुर विधानसभा क्षेत्र के बीएलओ रवि कुमार ने बताया कि चुनौतियों को सकारात्मक रूप से स्वीकार करते हुए कार्य किया और मतदाताओं का भी भरपूर सहयोग मिला।

इस दौरान बीएलओ सोनिया गुप्ता, रमेश कुमार सचान, विनय कुमार तथा सुपरवाइजर विशाल यादव सहित अन्य कर्मियों ने भी अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम में प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र से पांच-पांच बीएलओ और दो-दो सुपरवाइजर को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में मंडलायुक्त के. विजयेंद्र पांडियन, जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह, नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय, मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जैन, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट एवं एसडीएम सदर अनुभव सिंह, उप जिला निर्वाचन अधिकारी विवेक चतुर्वेदी सहित बड़ी संख्या में बीएलओ और संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ समीक्षा बैठक

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों और निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के साथ बैठक कर विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि ड्राफ्ट मतदाता सूची में लगभग 1.04 करोड़ मतदाताओं की मैपिंग नहीं पाई गई, जबकि 2.22 करोड़ मतदाताओं के नामों में तार्किक विसंगतियां सामने आईं। इन दोनों श्रेणियों के कुल 3.26 करोड़ मतदाताओं को नोटिस जारी किए गए, जिनमें से लगभग 98 प्रतिशत मामलों की सुनवाई पूरी हो चुकी है।उन्होंने बताया कि शेष मामलों की सुनवाई 27 मार्च तक चलेगी और 10 अप्रैल को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। पात्र नागरिकों को मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए फॉर्म-6, नाम विलोपन के लिए फॉर्म-7 तथा संशोधन के लिए फॉर्म-8 भरने की सुविधा उपलब्ध है।मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे सभी राजनीतिक दलों के साथ समन्वय बनाकर पूरी पारदर्शिता के साथ मतदाता सूची को अद्यतन और त्रुटिरहित बनाएं, ताकि कोई भी पात्र मतदाता सूची से वंचित न रहे। बैठक में विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

मीडिया से वार्ता में दी जानकारी

मीडिया से बातचीत में मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण 2026 की घोषणा के बाद प्रदेश में 4 नवंबर से 26 दिसंबर 2025 तक गणना चरण संचालित किया गया था। उस समय प्रदेश की मतदाता सूची में लगभग 15 करोड़ 44 लाख मतदाता दर्ज थे। गणना के बाद 6 जनवरी 2026 को मसौदा मतदाता सूची प्रकाशित की गई, जिसमें 12 करोड़ 55 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम शामिल रहे।उन्होंने बताया कि मृतक मतदाता, एक से अधिक स्थानों पर दर्ज नाम, स्थायी रूप से स्थानांतरित मतदाता और अनुपस्थित पाए गए मतदाताओं के कारण लगभग 2 करोड़ 88 लाख नाम सूची से बाहर किए गए। वर्तमान में दावे और आपत्तियों की प्रक्रिया चल रही है और अधिकांश मामलों की सुनवाई पूरी की जा चुकी है, जिससे मतदाता सूची को अधिक सटीक और पारदर्शी बनाया जा सके।

गंगा-जमुना तहज़ीब की मिसाल बना परमट घाट

गंगा मेला में बच्चों की प्रतियोगिताओं ने बढ़ाया उत्साह

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर।कानपुर के परमट गंगा घाट पर गंगा-जमुना तहज़ीब की मिसाल पेश करते हुए गंगा मेले का भव्य आयोजन किया गया। मेले में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया और रंगारंग कार्यक्रमों के साथ उत्सव का आनंद लिया।

कार्यक्रम के दौरान बच्चों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें कुर्सी दौड़, नींबू-चम्मच दौड़ तथा नृत्य प्रस्तुति प्रमुख रहीं। प्रतियोगिताओं में बच्चों ने पूरे उत्साह और जोश के साथ भाग लिया, जिससे पूरे परिसर में उत्सव का माहौल बना रहा।

इस आयोजन का संचालन पूर्व नेशनल हॉकी खिलाड़ी चंद्रशेखर वर्मा के नेतृत्व में किया गया। उन्होंने बताया कि गंगा मेले के माध्यम से सामाजिक समरसता और आपसी भाईचारे का संदेश देने का प्रयास किया गया है। साथ ही इस बार मेले में सफाई कर्मचारियों को सम्मानित करने की विशेष पहल भी की गई, जिसकी उपस्थित लोगों ने सराहना की।

कुर्सी दौड़ प्रतियोगिता में अक्षत शर्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त कर सभी का ध्यान आकर्षित किया। कार्यक्रम के अंत में आयोजक चंद्रशेखर वर्मा ने सभी प्रतिभागियों और सहयोगियों को सम्मानित किया।

इस अवसर पर बबलू अमर, रोहित, दीपक गुप्ता, अनुष्का वर्मा, जैकलिन, साक्षी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

भक्तों की राह हुई आसान कूष्मांडा मंदिर से हटाया गया अतिक्रमण

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कानपुर के घाटमपुर में कूष्मांडा देवी मंदिर आने-जाने वाले श्रद्धालुओं को होने वाली परेशानियों को देखते हुए पालिका द्वारा बनवाई गई सीसी रोड के दोनों ओर दुकानदारों द्वारा किए गए अवैध कब्जे हटवाए गए। पालिका द्वारा पहले दी गई नोटिसों के बावजूद कब्जे न हटाने पर कार्रवाई की गई।पालिका द्वारा जारी की गई नोटिसों के बेअसर होने पर शुक्रवार को ईओ महेंद्र कुमार ने पुलिस व पालिका कर्मियों के साथ कब्जे हटवाए जाने की कमान संभाली। इस दौरान कब्जेदारों ने कुछ विरोध करने की भी कोशिश की, लेकिन ईओ के तेवर देख वह हिम्मत नहीं जुटा पाए।

दुकानदारों ने जल्द हटा लिए कब्जे

इससे पहले दुकानों का सामान पालिका कर्मी ट्रैक्टर में लादना शुरू करते दुकानदार खुद फटाफट कब्जे हटाने लगे। कार्रवाई के डर से देखते ही देखते सारे अवैध कब्जे दुकानदारों ने हटा लिए। सभासद गुड्डू पंडित के अलावा कस्बा चौकी प्रभारी शैलेन्द्र सिंह मय फोर्स के मौजूद रहे।

टूरिस्ट बस-ट्रक की टक्कर महिला की मौत, 15 घायल

नासिक से नेपाल जा रही थी बस, 57 यात्री बस में सवार थे, घायलों में चार की हालत गंभीर

कानपुर हाईवे पर मौत का मंजर

- हाईवे पर इस्पात नगर के सामने पुल पर हादसा
- टूरिस्ट बस और ट्रक की जोरदार टक्कर
- बस में कुल 57 यात्री सवार थे
- करीब 15 यात्री घायल, चार की हालत गंभीर
- इलाज के दौरान एक महिला यात्री की मौत
- नासिक से अयोध्या होते हुए नेपाल जा रही थी बस
- क्रेन से बस हटाकर हाईवे पर यातायात बहाल
- पुलिस ने दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू की

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर-इटावा हाईवे पर शनिवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे में टूरिस्ट बस और ट्रक की जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में एक महिला यात्री की मौत हो गई, जबकि करीब 15 लोग घायल हो गए। इनमें चार यात्रियों की हालत गंभीर बताई जा रही है। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और कई यात्री बस के अंदर फंस गए।

घटना इस्पात नगर के सामने पुल के ऊपर हुई, जहां एक टूरिस्ट बस ट्रक से टकराकर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी तेज थी कि बस का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और कई यात्री सीटों के बीच फंस गए। हादसे के बाद आसपास के लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी और राहत कार्य शुरू किया। मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों और पुलिसकर्मियों ने बस की खिड़कियां तोड़कर अंदर फंसे यात्रियों को बाहर निकाला। कुछ यात्रियों को काफी मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया।

पुलिस के मुताबिक, दुर्घटनाग्रस्त बस नासिक से चलकर अयोध्या होते हुए नेपाल जा रही थी। बस में कुल 57 यात्री सवार थे। टक्कर में करीब 15 यात्री घायल हो गए, जिनमें चार की हालत गंभीर बताई जा रही है, जबकि एक यात्री अति गंभीर रूप से घायल था। घायलों को तत्काल एंबुलेंस और निजी वाहनों की मदद से नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया। उपचार के दौरान एक महिला यात्री ने दम तोड़ दिया। अन्य घायलों का इलाज जारी है और डॉक्टरों की टीम उनकी निगरानी कर रही है।

पुलिस का कहना है कि फिलहाल मृतक और घायलों की पहचान की प्रक्रिया जारी है। शुरुआती जांच में यह भी स्पष्ट नहीं हो सका है कि बस में सवार यात्री किस क्षेत्र के रहने वाले थे।

हादसे के बाद हाईवे पर कुछ समय के लिए यातायात बाधित हो गया। पुलिस ने क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त बस को हटवाकर सड़क से वाहनों की आवाजाही बहाल कराई। फिलहाल पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि ट्रक और बस की टक्कर कैसे हुई, यह जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

गैस सिलेंडर की लाइन में युवती को थप्पड़ मारने पर हंगामा

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

⇨ एजेंसी पर सिलेंडर लेने आई महिला से विवाद, बीच लाइन में युवती से मारपीट

कानपुर। कानपुर के चकेरी क्षेत्र में गैस सिलेंडर लेने को लेकर लगी लंबी लाइन के बीच विवाद और मारपीट का मामला सामने आया है। शनिवार सुबह एचएएल टाउनशिप के सामने संचालित गैस एजेंसी पर लाइन में लगी एक युवती को एक महिला ने थप्पड़ मार दिया। घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने हंगामा शुरू कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामला शांत कराया।

जानकारी के अनुसार जाजमऊ की पुरानी चुंगी निवासी पलक सिंह शनिवार सुबह करीब आठ बजे गैस सिलेंडर लेने के लिए समृद्धि गैस एजेंसी पहुंची थीं। भीड़ अधिक होने के कारण एजेंसी कर्मियों ने लोगों की पासबुक एकत्र करने में मदद करने को कहा, जिसके बाद पलक लोगों की पासबुक जमा करवा रही थीं। इसी दौरान एजेंसी से जुड़ी एक महिला वहां पहुंची और पासबुक छीनने लगी। इसके बाद वह लोगों की पासबुक वापस करने लगी, जिससे विवाद शुरू हो गया। आरोप है कि इसी बहस के दौरान महिला ने पलक सिंह को थप्पड़ मार दिया। घटना से नाराज लोगों ने एजेंसी के बाहर जमकर हंगामा किया। पीड़िता ने घटना की सूचना डायल 112 पर दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को समझाकर मामला शांत कराया। हालांकि इस मामले में किसी भी पक्ष की ओर से अभी तक पुलिस को लिखित शिकायत नहीं दी गई है। पुलिस का कहना है कि तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दरोगा भर्ती परीक्षा शुरू, कानपुर में सुरक्षा, ट्रैफिक के विशेष इंतजाम

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा उप निरीक्षक (सब-इंस्पेक्टर) नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती के लिए लिखित परीक्षा शनिवार से शुरू हो गई। यह परीक्षा 14 और 15 मार्च को प्रदेश के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जा रही है।

परीक्षा को लेकर कानपुर में रेलवे प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों ने व्यापक तैयारियां की हैं। परीक्षार्थियों के सुरक्षित आवागमन और भीड़ प्रबंधन के लिए जीआरपी और आरपीएफ को विशेष रूप से तैनात किया गया है। रेलवे स्टेशन और प्लेटफार्मों पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है, ताकि परीक्षार्थियों के साथ आम यात्रियों को भी किसी प्रकार की असुविधा न हो। रेलवे विभाग द्वारा परीक्षार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। बड़ी संख्या में आने-जाने वाले अभ्यर्थियों को देखते हुए एक विशेष ट्रेन भी चलाई गई है। अधिकारियों के अनुसार जरूरत पड़ने पर ट्रेनों की संख्या और बढ़ाई जा सकती है, जिससे अभ्यर्थियों को यात्रा में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

स्टेशन परिसर और प्लेटफार्मों पर सुरक्षा कर्मियों की तैनाती के साथ-साथ यात्रियों की आवाजाही पर भी विशेष नजर रखी जा रही है।

घरेलू गैस संकट का असर सुरक्षा प्रतिष्ठानों तक पहुंचा

» कैंटीन और मैस संचालन पर संकट, सरकारी-निजी संस्थानों में सिलेंडर आपूर्ति ठप होने से बढ़ी चिंता

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। शहर में घरेलू और कमर्शियल गैस सिलेंडरों की किल्लत का असर अब आम घरों से निकलकर औद्योगिक और सरकारी प्रतिष्ठानों तक साफ दिखाई देने लगा है। हालात इतने गंभीर हो गए हैं कि कालपी रोड स्थित विजय नगर क्षेत्र में रक्षा उत्पादन से जुड़ी फील्ड गन कंपनी की मैस में दोपहर का भोजन बनना बंद कर दिया गया है। गैस सिलेंडर उपलब्ध न होने के कारण कर्मचारियों को भोजन की व्यवस्था करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

जानकारी के अनुसार पिछले कई दिनों से शहर में गैस सिलेंडरों की आपूर्ति अनियमित चल रही है। इसका सीधा असर उन संस्थानों पर पड़ रहा है जहां बड़ी संख्या में कर्मचारियों और स्टाफ के लिए कैंटीन या मैस में प्रतिदिन भोजन तैयार किया जाता है। फील्ड गन कंपनी की मैस में भी सिलेंडर न पहुंच पाने के कारण दोपहर का भोजन बंद करना पड़ा, जिससे कर्मचारियों को बाहर से भोजन की व्यवस्था करनी पड़ रही है।

फील्ड गन कंपनी की मैस में दोपहर का भोजन बंद

केवल एक फैक्ट्री तक सीमित नहीं है समस्या

बताया जा रहा है कि यह स्थिति केवल एक औद्योगिक इकाई तक सीमित नहीं है। शहर के कई सरकारी और निजी प्रतिष्ठानों में संचालित कैंटीन और मैस भी इसी तरह की परेशानी से जूझ रहे हैं। कई जगहों पर गैस सिलेंडर खत्म होने के बाद नए सिलेंडर नहीं मिल पा रहे हैं, जिससे भोजन व्यवस्था बाधित होने लगी है। यदि जल्द ही आपूर्ति सामान्य नहीं हुई तो कई कैंटीन और मैस बंद होने की कगार पर पहुंच सकती हैं।

छोटे व्यापारियों और संस्थानों पर दोहरा असर

गैस संकट का असर छोटे होटल, ढाबे, ठेले और चाय-नाश्ते की दुकानों पर पहले से ही दिखाई दे रहा है। अब जब संस्थानों की कैंटीन और मैस भी प्रभावित होने लगी हैं, तो स्थिति और गंभीर मानी जा रही है। कई जगह संचालकों ने बताया कि सिलेंडर की आपूर्ति समय पर नहीं हो रही, जिसके कारण भोजन बनाना मुश्किल हो रहा है।

सरकार के दावों पर उठ रहे सवाल

केंद्र और राज्य सरकार की ओर से लगातार यह दावा किया जा रहा है कि गैस सिलेंडर की आपूर्ति में किसी प्रकार की समस्या नहीं आने दी जाएगी।

हालांकि जमीनी स्तर पर हालात इससे अलग नजर आ रहे हैं।

फैक्ट्री की कैंटीन में लगा यह नोटिस

आवश्यक सूचना

अगली सूचना तक, दिनांक 16.03.2026 से एलपीजी गैस की अनुपलब्धता के कारण औद्योगिक कैंटीन में दोपहर का भोजन बंद किया जा रहा है। एलपीजी गैस की उपलब्धता के पश्चात पुनः दोपहर का भोजन प्रारम्भ कर दिया जाएगा। फिर भी, प्रातः एवं सांयकालीन चाय तथा संभव अवधि तक उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा।

आज्ञा से : सक्षम अधिकारी

शहर के विभिन्न क्षेत्रों में गैस की कमी की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं, जिससे आम उपभोक्ताओं के साथ संस्थानों की व्यवस्थाएं भी प्रभावित हो रही हैं। लोगों का कहना है कि यदि जल्द ही गैस आपूर्ति की स्थिति सामान्य नहीं हुई तो इसका असर न केवल घरों और व्यापार पर पड़ेगा बल्कि औद्योगिक और संस्थागत व्यवस्थाओं पर भी गंभीर रूप से पड़ सकता है।

फिलहाल प्रशासन और गैस एजेंसियों की ओर से आपूर्ति व्यवस्था को दुरुस्त करने के प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन समस्या पूरी तरह समाप्त होती नजर नहीं आ रही।

एलपीजी सिलेंडर किल्लत के विरोध में आम आदमी पार्टी का घंटाघर पर प्रदर्शन

» खाली सिलेंडर और बर्तन लेकर पहुंचे कार्यकर्ता

» पुलिस से नोकझोंक के बीच राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर। एलपीजी गैस सिलेंडरों की किल्लत और बढ़ती महंगाई के विरोध में आम आदमी पार्टी (आप) कानपुर के कार्यकर्ताओं ने शनिवार को घंटाघर स्थित भारत माता प्रतिमा के पास जोरदार प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन राज्यसभा सांसद एवं उत्तर प्रदेश प्रभारी संजय सिंह के निर्देश पर किया गया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने खाली गैस सिलेंडर, चूल्हे, कढ़ाई और खाली बर्तन लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और गैस की बढ़ती कीमतों तथा किल्लत को लेकर गुस्सा जताया।

आम आदमी पार्टी कानपुर के प्रवक्ता मदन लाल भाटिया ने बताया कि प्रदेश में एलपीजी सिलेंडरों की भारी किल्लत और लगातार बढ़ती महंगाई से आम जनता, व्यापारी और छोटे उद्यमी बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कमर्शियल गैस सिलेंडरों की कमी के कारण हजारों दुकानें, फैक्ट्रियां, ठेले और खोमचे वालों का कारोबार चौपट हो गया है, जिससे लाखों लोगों की रोजी-रोटी प्रभावित हुई है।

प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं और स्थानीय पुलिस के बीच हल्की झड़प भी हुई। मौके पर बड़ी संख्या में कार्यकर्ता जुटे और सरकार के खिलाफ जमकर नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों ने ÷गायब सिलेंडर, गायब नरेंद्र÷, ÷सिलेंडर की कालाबाजारी बंद करो÷ जैसे नारे लगाते हुए सरकार पर जनता की समस्याओं की अनदेखी करने का आरोप लगाया।

पार्टी नेताओं ने कहा कि सरकार की गलत आर्थिक और विदेश नीति के कारण देश में महंगाई लगातार बढ़ रही है और आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता भी प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि पूरे देश में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं, लेकिन केंद्र और प्रदेश सरकार इस मुद्दे पर गंभीरता नहीं दिखा रही है।

प्रदर्शन के बाद आम आदमी पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने स्थानीय पुलिस के जरिए राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन भेजा। ज्ञापन में घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर की हालिया बढ़ी कीमतों को तत्काल वापस लेने, पेट्रोल-डीजल की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए पारदर्शी नीति लागू करने, गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों को रसोई गैस पर विशेष सब्सिडी देने तथा महंगाई पर नियंत्रण के लिए केंद्र सरकार से स्पष्ट और जवाबदेह नीति घोषित करने की मांग की गई।

प्रदर्शन का नेतृत्व जिला अध्यक्ष अनुज शुक्ला ने किया, जबकि संचालन प्रवक्ता मदन लाल भाटिया, महामंत्री नरेश चंद्र अग्रवाल और संगठन महामंत्री योगेश दीक्षित ने किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जितेंद्र वर्मा, वसीमुद्दीन, मुकेश झा, शाहिद भाई, सौरभ रतन गुप्ता, रमा अवस्थी, पुष्पा सिंह, निशा निगम, कृष्णा प्रजापति, सरिता द्विवेदी, देवेश शुक्ला, उपेंद्र त्रिपाठी, गुंजन पांडे, जावेद मंसूरी, साजिद भाई, सुधीर शर्मा, प्रदेश प्रवक्ता संजीव निगम, प्रदेश प्रवक्ता मनीष गुप्ता (वाराणसी) और सुधीर सिन्हा सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सिलेंडर पर्याप्त लेकिन सर्वर ने बढ़ाई धड़कन; अफवाहों के बीच ग्राहकों को राहत

प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर। घाटमपुर में गैस सिलिंडरों की कोई कमी नहीं है और एजेंसियां सुचारू रूप से चल रही हैं। सर्वर डाउन होने से बुकिंग में थोड़ी देरी हो रही है, जिसे लेकर अफवाहों से बचने की सलाह दी गई है।

कानपुर में गैस किल्लत की अफवाहों के बीच घाटमपुर कस्बे की स्थिति सामान्य बनी हुई है। यहां इंडेन गैस की दोनों प्रमुख एजेंसियों पर सिलिंडरों का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है

और प्रतिदिन की तरह लोडिंग जारी है। हालांकि, ऑनलाइन बुकिंग में आ रही तकनीकी दिक्कतों और सर्वर डाउन होने की वजह से उपभोक्ताओं को थोड़े धैर्य की परीक्षा देनी पड़ रही है।

कुरियां निवासी कृष्ण बिहारी ने बताया कि सर्वर के कारण बुकिंग में थोड़ी मशक्कत हुई, लेकिन एक-दो प्रयासों के बाद बुकिंग सफल रही। एजेंसी पहुंचने के मात्र पांच मिनट के भीतर उन्हें भरा हुआ सिलिंडर मिल गया। वहीं, कस्बे के शिवकुमार ने भी यही बात दोहराई। मौके पर केवल चार-पांच लोग ही नजर आए, जिससे स्पष्ट है कि भीड़ जैसी स्थिति नहीं है।

माधव विजय इंडेन गैस एजेंसी के संचालक विजय मिश्र ने स्पष्ट किया कि गैस की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि लोग अफवाहों के कारण घबरा रहे हैं। सर्वर की समस्या अस्थाई है, थोड़े प्रयास के बाद ऑनलाइन बुकिंग हो जाती है। हमारे पास पर्याप्त स्टॉक है और हम तत्काल सिलिंडर उपलब्ध करा रहे हैं।

सम्पादकीय

डिजिटल दुनिया ने छीनी युवाओं की नींद

भारतीय जन-जीवन में तेजी से घर करती डिजिटल जीवन शैली ने युवाओं की नींद को बुरी तरह प्रभावित किया है। जिसके चलते उनमें आक्रामकता, अवसाद व आत्महत्या की प्रवृत्ति विकसित हो रही है। देश-दुनिया में समय-समय पर आने वाले विभिन्न सर्वेक्षण इस संकट की ओर इशारा कर रहे हैं। लेकिन देश में किशोरों का स्क्रीन टाइम घातक ढंग से बढ़ रहा है। आमतौर पर चिकित्सा विशेषज्ञ मानते हैं कि किशोरों की सेहत के लिये आठ घंटे की नींद जरूरी होती है। हालांकि, कुछ विशेषज्ञ आठ घंटे के बजाय सात-छह घंटे की नींद को भी पर्याप्त मानते हैं, बशर्ते उसमें बीच में किसी तरह का व्यवधान न हो। लेकिन बिना किसी जरूरी काम के कथित सोशल मीडिया पर सक्रिय रहना आज के दौर में फैशन सा बन गया है। अमेरिका समेत कई पश्चिमी देशों में हुए हालिया शोध बताते हैं कि रात में जल्दी सोने व सुबह जल्दी उठने से बेहतर स्वास्थ्य बनता है। यह भारतीय जीवन दर्शन की अपरिहार्य धारणा भी रही है। लेकिन देश में पहले टीवी और अब मोबाइल फोन के अनियंत्रित उपयोग ने युवाओं की रात की नींद उड़ा दी है। जिसके चलते युवा पूरे दिन उखड़े-उखड़े और अशांत रहते हैं। उनमें आक्रामकता बढ़ रही है। फिर वे अवसाद के शिकार हो जाते हैं। बाधित नींद की इस स्थिति में कालांतर मन में आत्महत्या जैसे नकारात्मक भाव उमड़ने लगते हैं। एक सर्वे बताता है कि देश में 73 फीसदी दसवीं के छात्र आठ घंटे से कम की नींद सोते हैं। कलकत्ता स्लीप सोसाइटी के विशेषज्ञ बताते हैं कि दुनिया में 60 से 70 फीसदी किशोर पर्याप्त नींद नहीं ले पा रहे हैं। दरअसल, आज छात्रों पर अभिभावकों व शिक्षकों का अनुशासन कम ही चलता है। मां-बाप के टोकने पर वे दलील देते हैं कि ऑन लाइन पढ़ाई चल रही है। कोरोना संकट ने देश-दुनिया में ऑनलाइन पढ़ाई का विकल्प तो दिया, लेकिन तमाम तरह की विसंगतियां व विकृतियां भी किशोरों के जीवन में भर दी हैं।एक चौंकाने वाला आंकड़ा बताता है कि देश में सत्तर करोड़ भारतीय छह घंटे की नींद नहीं ले पाते। वहीं 46 प्रतिशत भारतीय छह घंटे से कम की नींद ले पाते हैं। लेकिन सबसे बड़ा संकट युवाओं व किशोरों से जुड़ा है। वे देर रात तक ऑनलाइन गेमों से जुड़े रहते हैं। रात में जाने-अनजाने दोस्त उनके सहभागी बनते हैं। जो कालांतर एक नशे की लत का रूप ले लेता है। परिजनों की रोक-टोक उन्हें रास नहीं आती। कई घटनाओं में उनके आक्रामक व्यवहार के घातक परिणाम सामने आए हैं। यहां तक कि नजदीकी परिजनों की हत्या की घटनाएं भी हुई हैं। दरअसल, ऑनलाइन खेलों को इस तरह डिजाइन किया गया है कि वे किशोरों के लिये नशा बन जाते हैं। रात का एकांत उन्हें रास आता है। जिसके चलते वे नींद की परवाह नहीं करते। वहीं दूसरी ओर सोशल मीडिया व ओटीटी प्लेटफॉर्मों पर तमाम वर्जित व अश्लील सामग्री की रात्रि में भरमार रहती है। जिसकी चपेट में छोटे-बड़े लोग आ रहे हैं। युवा देर रात का एकांत तलाशते हैं ताकि परिजनों की अनुपस्थिति में वे मनमानी कर सकें। वे देर रात तक ऑनलाइन रहने में अपनी शान समझते हैं। यह भूल जाते हैं कि वास्तव में, वे अपनी सेहत से किस हद तक खिलवाड़ कर रहे हैं। चिकित्सा विशेषज्ञ चेतावनी देते रहे हैं अनिद्रा से उच्च रक्तचाप की समस्या पैदा हो रही है। जो कालांतर हाइपरटेंशन में बदल जाती है। दरअसल, शरीर की जैविक घड़ी के परिचालन में व्यवधान से शरीर नकारात्मक प्रतिक्रिया देता है। देर रात जागने और मोबाइल के नशे में किशोर असमय खाते-पीते हैं, जिससे उनमें मोटापे की समस्या भी घर कर रही है।

पंजाब की 'कैंसर बेल्ट' के संकट की भ्रांति दूर करने का वक्त

यशवंत सचदेव

कोई व्यक्ति जब मालवा क्षेत्र की 'कैंसर बेल्ट' शब्द सुनता है, तो लगेगा कि विज्ञान प्रेरित लगने वाला यह निष्कर्ष लंबे शोध अध्ययनों पर आधारित होगा, जबकि असल में ऐसा बिल्कुल नहीं। पंजाब वास्तव में कई स्वास्थ्य और पर्यावरणीय संकटों. कोई व्यक्ति जब मालवा क्षेत्र की 'कैंसर बेल्ट' शब्द सुनता है, तो लगेगा कि विज्ञान प्रेरित लगने वाला यह निष्कर्ष लंबे शोध अध्ययनों पर आधारित होगा, जबकि असल में ऐसा बिल्कुल नहीं। पंजाब वास्तव में कई स्वास्थ्य और पर्यावरणीय संकटों का केंद्र है- लेकिन आंकड़े स्पष्ट रूप से दिखाते हैं कि कैंसर उनमें से एक नहीं है।एक दशक से,पंजाब के जन-स्वास्थ्य से जुड़ी चर्चाओं में जो एकमात्र छवि सबसे ज्यादा उभरती है-वह है ट्रेन नंबर 14888, जिसे 'कैंसर एक्सप्रेस' भी कहा जाता है।

आधी रात बठिंडा से बीकानेर जाने वाली इस रेलगाड़ी में सवार लोगों को देखने वाले और पश्चिमी देशों के डॉक्यूमेंट्री फ़िल्म निर्माताओं के लिए, यह एक 'विफल' भूमि का उदाहरण है-एक पुण्यभूमि जिसका नुकसान उसकी कथित कृषि-सफलता ने ही किया। हालांकि आलोचनात्मक नज़रिए से इस स्थिति की गहन जांच करने पर इस दलील की खामी ज़ाहिर हो जाती है।'कैंसर बेल्ट' और 'कैंसर ट्रेन'दुर्भाग्य से, कोई बाहरी व्यक्ति जब मालवा क्षेत्र की 'कैंसर बेल्ट' शब्द सुनता है तो लगेगा कि विज्ञान-प्रेरित लगने वाला यह निष्कर्ष लंबे शोध अध्ययनों पर आधारित होगा, जबकि असल में ऐसा बिल्कुल नहीं। मीडिया में इस शब्द का पहला लिखित उपयोग जून, 2005 में 'डाउन टू अर्थ' मैगज़ीन में हुआ था। यह नाम एक भाषाई बदलाव रणनीति का परिणाम है, मालवा इलाके के लिए दशकों से इस्तेमाल हो रहे 'कॉटन बेल्ट' में कॉटन की जगह कैंसर रखकर नया नाम गढ़ डाला। तब से, दुनिया के पर्यावरण पत्रकारों ने इस कहानी को अलग-अलग तरीकों से दिखाया।

एक सराहनीय सामाजिक सेवा के अलावा 'कैंसर ट्रेन' के वजूद की कोई और वजह नहीं। 1940 के दशक से, बीकानेर का आचार्य तुलसी रीजनल कैंसर हॉस्पिटल (बाद में देश का 13वां क्षेत्रीय कैंसर सेंटर बना) मुफ्त कैंसर इलाज देता आया है, जिनमें मालवा इलाके के मरीज़ भी शामिल हैं। इसलिए, ट्रेन में 'भीड़' की वजह सस्ते इलाज के साथ मुफ़्त टिकटों की सुविधा भी है न कि सिर्फ स्थानीय विषाक्तता से उपजा रोग।

आधार जांच दर, कथित एज-एडजस्टेड इंसिडेंस रेट' (एएआईआर)- जो कि विविधितापूर्ण आबादी के आंकड़ा आधारित तुलनात्मक अध्ययन करने का बेस्ट पैमाना है, दर्शाता है कि भ्रांति किस तेज़ी से फीकी पड़ जाती है। आईसीएमआर-एनसीडीआईआर (2025-26) के डेटा के आधार पर, बठिंडा क्षेत्र का कैंसर एएआईआर सूचकांक प्रति 1,00,000 लोगों पर 125 मामले है। हालांकि यह राष्ट्रीय औसत (लगभग 100) से थोड़ा ज़्यादा है, लेकिन यह दिल्ली (146) या केरल (135) की तुलना में काफ़ी कम है। मिज़ोरम में एएआईआर बहुत अधिक बढ़कर 256 है। अगर 125 के आंकड़े के साथ बठिंडा 'कैंसर बेल्ट' कहलाता है, तब तो 256 दर के साथ, मिज़ोरम उस हिसाब से 'राष्ट्रीय आपदा' होना चाहिए, फिर भी निशाना केवल पंजाब को ही बनाया जा रह है।लंबी उम्र का विरोधाभासइस संकट में सबसे ज़्यादा नज़रअंदाज़ किया गया पहलू, विरोधाभासी रूप से, स्वास्थ्य और पोषण के क्षेत्र में पंजाब की शानदार उपलब्धि है। 2006-2010 के दौर में, जब वायरल हुई वे डॉक्यूमेंट्रीज रिलीज़ हुई थीं, पंजाब तब भारत के सबसे समृद्ध राज्यों में से एक था, जहां की औसत जीवन प्रत्याशा 70.6 साल थी-जो तब राष्ट्रीय औसत से 4.5 साल ज़्यादा थी।

भले उसके बाद जीवन प्रत्याशा का यह राज्य-राष्ट्रीय अंतर लगातार कम होता गया है-संभवतः वायु प्रदूषण के कारण-फिर भी पंजाब का यह आंकड़ा अभी भी राष्ट्रीय औसत से ऊपर है। पंजाब में जीवन प्रत्याशा का ज़्यादा होना किसी 'किस्मत' जनित आनुवंशिकी की वजह से नहीं, बल्कि यह पंजाबी समुदाय में मौजूद 'परमार्थ संस्कृति' का नतीजा है, जो 'लंगर' और 'सेवा' को प्राथमिकता देती है।

खामेनेई की मौत पर मोदी की चुप्पी के कूटनीतिक मायने

नरेन्द्र मोदी की चुप्पी

पुष्परंजन

प्रधानमंत्री मोदी ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत की निंदा करने के बजाए कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता में कहा था कि ऐसे विवादों का समाधान बातचीत और कूटनीति से ही संभव है। उन्होंने दोहराया कि भारत की नीति हमेशा शांतिपूर्ण समाधान की रही है।ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की चुप्पी ने कई तरह के राजनीतिक और कूटनीतिक सवाल खड़े कर दिए हैं। अमरीका द्वारा ईरान पर हमला करने के बाद भारत में ईरान के दूतावास ने दुनिया भर की सरकारों से आग्रह किया था कि वे अमेरिका-इजराइल द्वारा तेहरान पर किए गए हमले और उसके सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई को मार दिए जाने की कड़ी निंदा करें।

ईरानी दूतावास ने कहा था कि भारत स्थित इस्लामिक गणराज्य, ईरान का दूतावास दुनिया भर की आजाद और स्वतंत्रता की पक्षधर सरकारों से इस जघन्य अपराध की कड़ी निंदा करने तथा अराजकता एवं आक्रामकता के सामने खामोश नहीं रहने का आह्वान करता है। इसके बावजूद केंद्र सरकार की तरफ से निंदा का कोई बयान नहीं आया। प्रधानमंत्री मोदी ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत की निंदा करने के बजाए कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता में कहा था कि ऐसे विवादों का समाधान बातचीत और कूटनीति से ही संभव है। उन्होंने दोहराया कि भारत की नीति हमेशा शांतिपूर्ण समाधान की रही है। सरकार का कहना है कि किसी भी संघर्ष की स्थिति में बातचीत का रास्ता अपनाना जरूरी है। मोदी की तरफ से अपेक्षित बयान नहीं आने विपक्षी दल भड़क गए। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई

की लक्षित हत्या पर मोदी सरकार की 'चुप्पी% को लेकर कहा कि उनका यह रुख भारत की विदेश नीति की दिशा और विश्वसनीयता पर गंभीर संदेह पैदा करता है। आम आदमी पार्टी के नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने याद दिलाया कि कैसे पीएम मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की मौत के बाद एक दिन का राष्ट्रीय शोक घोषित किया था, जो मई 2024 में अजरबैजान में एक हेलीकॉप्टर क्रैश में सात लोगों के साथ मारे गए थे। संजय सिंह ने कहा मोदी जी, आज क्या हुआ? आपने ईरान के प्रेसिडेंट की मौत पर राष्ट्रीय शोक घोषित किया था। आप ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई की मौत पर एक भी शोक ट्वीट करने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं, क्योंकि इसके लिए अमेरिका जिम्मेदार है।भारत का किसी एक देश के लिए यह दृष्टिकोण कोई अपवाद नहीं है, बल्कि भारत की पारंपरिक विदेश नीति के सिद्धांतों के अनुरूप है–जटिल संघर्षों में प्रत्यक्ष गठबंधन से बचना और स्थिरता को प्राथमिकता देना है। भारत की प्रतिक्रिया कई वैश्विक शक्तियों की प्रतिक्रिया के समान है, जिनमें से कई ने संवेदना व्यक्त करने या सीधे तौर पर निंदा करने से परहेज किया है। इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) के 57 सदस्यों में से बहुत कम देशों ने शोक व्यक्त किया। रूस, चीन, उत्तर कोरिया, इराक, तुर्की, पाकिस्तान और मलेशिया जैसे कुछ देशों ने तीखी प्रतिक्रिया दी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने इसे निंदनीय बताया, जबकि चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने घटना को स्वीकार्य नहीं कहा। इराक में तीन दिन का शोक घोषित किया गया। हालांकि अधिकांश मुस्लिम बहुल देशों ने औपचारिक रूप से संवेदना व्यक्त नहीं की।

भारत के विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर संयम और संवाद की अपील की। साथ ही ईरान द्वारा संयुक्त अरब अमीरात के सहयोगियों पर किए गए हमलों की आलोचना भी की गई। सरकार का कहना है कि भारत का रुख राष्ट्रीय हितों और क्षेत्रीय स्थिरता को ध्यान में रखकर तय किया गया है। गौरतलब है कि खाड़ी देशों से भारत के द्विपक्षीय संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं।

विपक्ष द्वारा इस मुद्दे को लेकर सवाल उठाए गए हैं, लेकिन सरकार ने इसे साम्प्रदायिक रूप देने की बात से दूरी बनाए रखी है। ऐसा नहीं है कि भारत किसी देश के मामले में ऐसा स्टैंड पहली बार लिया हो, यह रुख पहले भी कई अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर देखा गया है, जहां भारत ने सीधे बयान देने के बजाय संतुलित कूटनीतिक भाषा का उपयोग किया है।

सिलेंडर के लिए मचा हाहाकार लगी आधा किलोमीटर लंबी लाइन

भीड़ को देखते हुए बीएसएनएल टॉवर के पीछे खेत में भी हुआ वितरण

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। गैस एजेंसी पर शनिवार सुबह सिलेंडर लेने के लिए सैकड़ों उपभोक्ताओं की भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से ही लोग एजेंसी के बाहर पहुंचने लगे और देखते ही देखते लंबी कतार लग गई।

भीड़ बढ़ने पर सिलेंडर वितरण एजेंसी परिसर के अलावा बीएसएनएल टॉवर के पीछे एक खेत में भी किया गया। उपभोक्ताओं की लाइन करीब आधा किलोमीटर तक पहुंच गई और लोगों को अपनी बारी के लिए घंटों इंतजार करना पड़ा। भीड़ में बड़ी संख्या में महिलाएं भी सिलेंडर लेने के लिए जद्दोजहद करती नजर आईं। उपभोक्ताओं ने बताया कि कई-कई घंटे लाइन में खड़े रहने के बाद उनका नंबर आ रहा था, जिससे लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ी। लोगों ने यह भी शिकायत की कि गैस कंपनी के हेल्पलाइन नंबर काम नहीं कर रहे थे, जिससे जानकारी लेने या शिकायत दर्ज कराने में दिक्कत हुई। दिन भर एजेंसी और आसपास के इलाके में भीड़ का माहौल बना रहा।

ओटीपी लेकर पहले ही सिलेंडर बेचने का आरोप: कुछ उपभोक्ताओं ने आरोप लगाया कि कथित वेंडर उपभोक्ताओं से ओटीपी लेकर सिलेंडर पहले ही बेच दे रहे हैं। इसके कारण एजेंसी पर पहुंचने के बाद भी कई लोगों को सिलेंडर नहीं मिल पा रहा। उपभोक्ताओं ने मामले की जांच कर कार्रवाई की मांग की है।

गैस सिलेंडर वितरण के दौरान अपनी बारी का इंतजार करते लोग

एसीपी के साथ एसडीएम ने गैस एजेंसियों का किया निरीक्षण

बिल्हौर(कानपुर)। बिल्हौर क्षेत्र में रसोई गैस को लेकर उपभोक्ताओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए प्रशासन भी सक्रिय नजर आया। शनिवार को एसडीएम डॉ. संजीव दीक्षित ने एसीपी मंजय सिंह के साथ क्षेत्र की गैस एजेंसियों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने एजेंसी पर मौजूद गैस सिलेंडरों के स्टॉक की जांच की। इसके साथ ही गैस एजेंसियों के गोदामों का भी निरीक्षण कर वहां रखे सिलेंडरों की उपलब्धता और रखरखाव की स्थिति देखी। अधिकारियों ने एजेंसी संचालकों से गैस की उपलब्धता और वितरण व्यवस्था के बारे में जानकारी ली। एसडीएम ने निर्देश दिए कि गैस वितरण में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और उपभोक्ताओं को निर्धारित व्यवस्था के तहत समय से सिलेंडर उपलब्ध कराए जाएं। साथ ही एजेंसी पर अनावश्यक भीड़ न लगे, इसके लिए व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश भी दिए गए।

क्षेत्र की गैस एजेंसी व गैस गोदाम का निरीक्षण किया गया है। सिलेंडर स्टॉक पर्याप्त मात्रा में पाया गया है। काला बाजारी करने वालों पर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अफवाह के कारण अचानक भीड़ बढ़ी है। निरीक्षण में पाया गया कि लोगों को सिलेंडर मिल रहे हैं।

– डॉ. संजीव दीक्षित
एसडीएम बिल्हौर

लोग पैनिक ज्यादा हो रहे हैं। गैस की कोई किल्लत नहीं है। सपा के लोग ही ऐसा वातावरण फैला कर लोगों के बीच भ्रम की स्थिति पैदा कर रहे हैं, जिससे अचानक भीड़ बढ़ गई है। दो-चार दिन में सब सामान्य हो जाएगा। उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की समस्या भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन की सरकार नहीं आने देने वाली। लोग अफवाहों से बचें।

उपेंद्र पासवान
जिलाध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी

दस साल पहले सिलेंडर चार सौ रुपये का मिलता था। आज वही सिलेंडर भाजपा सरकार ने 1100 रुपये का कर दिया है। बिल्हौर विधानसभा क्षेत्र की जनता का आलम यह है कि हजारों लोग सिलेंडर लेने पहुंच रहे हैं, लेकिन उन्हें सिलेंडर नहीं मिल पा रहा है। जनता की समस्याओं को लेकर प्रशासन को ज्ञापन दिया गया है और जल्द समाधान की मांग की गई है।

रचना सिंह गौतम
सपा पूर्व प्रत्याशी बिल्हौर विधानसभा

आलू की माला, सिलेंडर पर तंज... बिल्हौर में सपा का अनोखा प्रदर्शन

➪ गैस किल्लत और बढ़ती कीमतों के विरोध में कार्यकर्ताओं ने ज्ञापन सौंपा

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। शुक्रवार को बिल्हौर तहसील परिसर में रसोई गैस की किल्लत और बढ़ती कीमतों के विरोध में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने अनोखे तरीके से प्रदर्शन किया। कार्यकर्ता गले में आलू की मालाएं पहनकर तहसील पहुंचे और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

सपा कार्यकर्ताओं ने पार्टी कार्यालय से प्रदर्शन शुरू किया और नारेबाजी करते हुए पैदल तहसील परिसर पहुंचे, जहां उन्होंने विरोध दर्ज कराया। इस प्रदर्शन का नेतृत्व पूर्व बिल्हौर विधानसभा प्रत्याशी रचना सिंह गौतम ने किया। उन्होंने अपने पहनावे पर लिखा तंज "खाली हो गया भाजपा के अच्छे दिनों का सिलेंडर" दिखाकर सरकार पर निशाना साधा। प्रदर्शन में शामिल कई कार्यकर्ताओं ने ऐसे कपड़े पहन रखे थे जिन पर बड़े अक्षरों में लिखा था। "आलू पर एमएसपी लागू करो सरकार।" वहीं गले में आलू की मालाएं पहने कार्यकर्ताओं में लोकेश अवस्थी भी शामिल रहे। सपा नेताओं का आरोप है कि क्षेत्र में रसोई गैस की भारी किल्लत है और लोगों को सुबह चार बजे से गैस एजेंसियों के बाहर लाइन लगानी पड़ रही है। इससे गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों की रसोई पर सीधा असर पड़ रहा है। प्रदर्शन के बाद सपा कार्यकर्ताओं ने संबोधित ज्ञापन नायब तहसीलदार दिव्या भारती को सौंपकर गैस आपूर्ति जल्द सामान्य करने और बढ़ी कीमतों पर रोक लगाने की मांग की। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष विनय यादव, लोकेश अवस्थी, एडवोकेट अंशुमान यादव समेत सैकड़ो सपाई व ग्रामीण मौजूद रहे।

कुछ इस अंदाज में आलू की माला पहने पहुंचे सपा छात्र सभा नेता लोकेश अवस्थी

नायब तहसीलदार दिव्या भारती को ज्ञापन सौंपते सपाई।

कांग्रेस नेत्री की इफ्तार पार्टी में सैकड़ों रोजेदार पहुंचे

रोजेदारों के साथ मौजूद कांग्रेस नेत्री वरुणा राज

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर। कस्बे के मुनीश्वर अवस्थी नगर मोहल्ले में अलविदा जुमा के मौके पर समाजसेविका व कांग्रेस नेत्री वरुणा राज द्वारा रोजा इफ्तार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सैकड़ों की तादाद में रोजेदार और स्थानीय लोग शामिल हुए। रोजेदारों ने रोजा खोलने के बाद नमाज अदा की और देश की तरक्की, अमन-सुकून व भाईचारे के लिए दुआएं मांगीं। रोजा इफ्तार कार्यक्रम में वरुणा राज के परिजनों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और मेहमानों की सेवा में जुटे रहे। इस मौके पर वरुणा राज कठेरिया, अक्षरा राज, अमन राज, पल्लवी, राजरानी देवी, मिथिलेश कुमारी, उबैदुल हसन, मुस्तकीम,शानू, सलमान, रफीक, अनूप वर्मा तौसीफ, कालिका, जलील समेत सैकड़ों रोजेदार मौजूद रहे।

दिनदहाड़े चेन झपटकर बाइक सवार लुटेरे भागे

➪ रास्ता पूछने के बहाने साइकिल सवार को रोका, गले से सोने की चेन तोड़ी

स्वराज इंडिया ब्यूरो

शिवराजपुर/बिल्हौर (कानपुर)। थाना क्षेत्र में शुक्रवार को दिनदहाड़े चेन स्नेचिंग की घटना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। साइकिल से जा रहे एक व्यक्ति को बाइक सवार दो युवकों ने रास्ता पूछने के बहाने रोक लिया और मौका पाकर उसके गले से सोने की चेन झपटकर फरार हो गए।

जानकारी के अनुसार चौबेपुर थाना क्षेत्र के बिलखरी गांव निवासी श्रीपाल पुत्र छोटेलाल शुक्रवार सुबह साइकिल से शिवली की ओर जा रहे थे। रास्ते में रजबहे के पास वह कुछ देर के लिए रुके। इसी दौरान बाइक पर सवार दो युवक वहां पहुंचे और उनसे रास्ता पूछने लगे।

बातचीत के दौरान ही एक युवक ने अचानक उनके गले में पड़ी सोने की चेन झपट ली। घटना इतनी अचानक हुई कि श्रीपाल कुछ समझ पाते, उससे पहले ही दोनों युवक बाइक से तेज रफ्तार में मौके से फरार हो गए। घटना के बाद पीड़ित ने शिवराजपुर थाने पहुंचकर पुलिस को पूरी जानकारी दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है और आसपास के क्षेत्रों में संदिग्ध युवकों की तलाश की जा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपियों को पकड़ा जाएगा।

मौके पर जांच करती पुलिस

रेल मंत्री ने दिया पुखरायां में चार ट्रेनों के ठहराव का आश्वासन

प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री राकेश सचानने रेल मंत्री से मिल कर बताई मांग
राष्ट्रीय रेलवे सलाहकार समिति के पूर्व सदस्य शेख मोहम्मद भी कर चुके हैं मांग

स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर देहात। पुखरायां रेलवे स्टेशन पर चार महत्वपूर्ण ट्रेनों के ठहराव की मांग तेज हो गई है। प्रदेश सरकार के एमएसएमई विभाग के कैबिनेट मंत्री राकेश सचान ने नई दिल्ली में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर पुखरायां स्टेशन पर चार ट्रेनों के ठहराव की मांग उठाई। इस पर रेल मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को प्रस्ताव की जांच कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।कैबिनेट मंत्री राकेश सचान ने रेल मंत्री को दिए पत्र में बताया कि पुखरायां रेलवे स्टेशन अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकसित किया जा चुका है। स्टेशन की वार्षिक आय भी चार करोड़ रुपये से अधिक है, लेकिन इसके बावजूद कई महत्वपूर्ण ट्रेनें यहां बिना रुके गुजर जाती हैं। इससे क्षेत्र के यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि कानपुर देहात सहित आसपास के जिलों के हजारों यात्री मुंबई और दक्षिण भारत की ओर जाने के लिए पुखरायां स्टेशन से यात्रा करते हैं।

यदि इन ट्रेनों का ठहराव यहां कर दिया जाए तो यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी और रेलवे की आय में भी बढ़ोतरी होगी। उन्होंने जिन ट्रेनों के ठहराव की मांग की है, उनमें गोरखपुर-यशवंतपुर एक्सप्रेस, गोरखपुर-मुंबई एक्सप्रेस, सुल्तानपुर-मुंबई एक्सप्रेस और गोरखपुर-अनारक्षित मुंबई एक्सप्रेस शामिल हैं। ये ट्रेनें सप्ताह में अलग-अलग दिनों में संचालित होती हैं और बड़ी संख्या में यात्री इनसे सफर करते हैं।रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस मांग को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों को मामले की जांच कर रिपोर्ट देने को कहा है। माना जा रहा है कि प्रस्ताव को मंजूरी मिलने पर पुखरायां और आसपास के क्षेत्रों के हजारों यात्रियों को इसका लाभ मिलेगा।

पुखरायां रेलवे स्टेशन कानपुर देहात का प्रमुख और व्यस्त स्टेशन माना जाता है। यहां से प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग दिल्ली, मुंबई और दक्षिण भारत के लिए यात्रा करते हैं। ट्रेनों का ठहराव शुरू होने से यात्रियों को अन्य स्टेशनों तक जाने की परेशानी से राहत मिलेगी। इससे पहले राष्ट्रीय रेलवे सलाहकार समिति के पूर्व सदस्य शेख मोहम्मद भी पुखरायां स्टेशन पर इन ट्रेनों के ठहराव की मांग रेल मंत्री से कर चुके हैं। उस समय भी इस पर सकारात्मक आश्वासन दिया गया था।

गैस सिलेंडर की लाइन में खड़े बुजुर्ग की हालत बिगड़ी, अस्पताल में मौत

» सिलेंडर लेने पहुंचे 75 वर्षीय बुजुर्ग को आया चक्कर, अस्पताल में डॉक्टरों ने मृत घोषित किया

स्वराज इंडिया ब्यूरो

फर्रुखाबाद। शहर में गैस सिलेंडर की किल्लत के बीच लाइन में लगे एक बुजुर्ग की अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। घटना से मौके पर अफरा-तफरी मच गई और लोगों में दहशत फैल गई।सदर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला गढ़ी कोना निवासी 75 वर्षीय मुख्तार अंसारी शुक्रवार को लाल सराय पानी टंकी के पास स्थित भारत पेट्रोलियम के गैस शोरूम पर भारत गैस का सिलेंडर लेने पहुंचे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार काफी देर तक लाइन में खड़े रहने के दौरान अचानक उन्हें चक्कर आ गया और वह बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़े।

बुजुर्ग के गिरते ही वहां मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। लाइन में खड़े लोगों ने तत्काल उन्हें संभाला और होश में लाने की कोशिश की।

कुछ लोगों ने उनके सीने को दबाकर प्राथमिक राहत देने का प्रयास भी किया, लेकिन उनकी हालत में कोई सुधार नहीं हुआ। सूचना मिलने पर परिजन भी मौके पर पहुंच गए। इसके बाद उन्हें तत्काल एक निजी अस्पताल में उपचार के लिए ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद बुजुर्ग को मृत घोषित कर दिया।बुजुर्ग की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। घटना के बाद गैस एजेंसी के बाहर भीड़ एकत्र हो गई और लोगों में गैस वितरण व्यवस्था को लेकर नाराजगी भी देखी गई।

स्थानीय लोगों का कहना है कि इन दिनों गैस सिलेंडर लेने के लिए घंटों लाइन में खड़ा रहना पड़ रहा है, जिससे खासकर बुजुर्गों और बीमार लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं बुजुर्ग की मौत के बाद क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई।

अवैध गैस सिलेंडर की रिफिलिंग करते दुकानदार को दबोचा

फर्रुखाबाद द्य शहर के कुछ स्थानों पर हो रही अवैध रूप से गैस सिलेंडर से रिफिलिंग को रोकने के लिए डीएम के निर्देश पर जिला पूर्ति अधिकारी और पूर्ति निरीक्षकों ने कई ठिकानों पर छापा मारा और घरेलू सिलेंडर बरामद कर संबंधित दुकानदार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई है पूर्ति निरीक्षक अमित चौधरी, पूर्ति निरीक्षक अभिषेक मिश्रा के साथ जिला पूर्ति अधिकारी ने स्टेशन रोड फतेहगढ़, भोलेपुर स्थित दुकान श्याम गैस चूल्हा विक्रेता एवं होटल के नीचे दुकान के संचालक रिषभ की दुकान पर पहुंचे।

जांच में दुकान पर कुल 6 घरेलू गैस सिलेंडर, दो रिफिलर तथा एक 5 किलो का छोटा गैस सिलेंडर मौके पर पाया गया। दुकान के संचालक रिषभ घरेलू गैस सिलेंडर से अवैध रूप से छोटे गैस सिलेंडर की रिफलिंग करता पाया। मामले की रिपोर्ट थाना कोतवाली फतेहगढ़ में दर्ज कराई गयी।

गैस सिलेंडर की कोई कमी नहीं, अफवाहों पर न दें ध्यान

» एसडीएम ने परखी गैस वितरण व्यवस्था, कालाबाजारी पर दी कड़ी चेतावनी

स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर देहात। रसूलाबाद क्षेत्र में रसोई गैस की किल्लत को लेकर फैल रही चर्चाओं के बीच प्रशासन ने स्थिति स्पष्ट करने के लिए गैस एजेंसियों का निरीक्षण किया। उपजिलाधिकारी (एसडीएम) सर्वेश कुमार सिंह और पूर्ति निरीक्षक विकास कनौजिया ने शनिवार को रसूलाबाद क्षेत्र की विभिन्न गैस एजेंसियों का औचक निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने एजेंसियों में उपलब्ध गैस सिलेंडरों का स्टॉक, वितरण व्यवस्था और उपभोक्ताओं को की जा रही आपूर्ति की जांच की। जांच में पाया गया कि क्षेत्र की एजेंसियों में मांग के अनुरूप पर्याप्त मात्रा में गैस सिलेंडर उपलब्ध हैं और उपभोक्ताओं को बुकिंग के बाद नियमित रूप से गैस सिलेंडर मिल रहे हैं।

एजेंसी संचालकों ने अधिकारियों को बताया कि गैस कंपनियों की ओर से ओटीपी के माध्यम से बुकिंग प्रक्रिया संचालित की जा रही है और बुकिंग के बाद उपभोक्ताओं को समय पर सिलेंडर उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

इस दौरान एसडीएम सर्वेश कुमार सिंह ने स्पष्ट कहा कि जनपद में गैस सिलेंडर की कोई कमी नहीं है और उपभोक्ताओं को घबराने की आवश्यकता नहीं है।

उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि कोई एजेंसी संचालक गैस सिलेंडर की कालाबाजारी या अनियमितता करते हुए पाया गया तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान एसडीएम और पूर्ति निरीक्षक ने असालतगंज, रसूलाबाद और रतनपुर स्थित गैस एजेंसियों का भ्रमण कर वितरण व्यवस्था का जायजा लिया तथा एजेंसी संचालकों को पारदर्शी और सुचारु आपूर्ति बनाए रखने के निर्देश दिए।

अथक प्रयास

जर्जर बस अड्डे से जूझ रही जनता को मिलेगी राहत

2.75 करोड़ से बदलेगी पुखरायां बस स्टेशन की सूरत

बदहाली पर आंसू बहा रहा पुखरायां बस अड्डा

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

वर्षों से बदहाली झेल रहे यात्रियों को मिलेंगी बुनियादी सुविधाएं, शासन ने दी निर्माण को मंजूरी

कानपुर देहात। भोगनीपुर तहसील के पुखरायां कस्बे में वर्षों से जर्जर बस अड्डा अब जल्द ही नए रूप में दिखाई देगा। शासन ने पुखरायां बस स्टेशन के पुनर्निर्माण और कायाकल्प के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। करीब 2.75 करोड़ रुपये की लागत से बस स्टेशन का निर्माण कराया जाएगा। लंबे समय से बदहाल पड़े बस अड्डे के कारण परेशान यात्रियों और क्षेत्रीय जनता को इससे बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। गौरतलब है कि स्वराज इंडिया अखबार ने 5 अगस्त 2024 के अंक में इस समस्या को प्रमुखता से उठाया था। अखबार में खबर प्रकाशित होने के बाद प्रशासन हरकत में आया और अब बस अड्डे के पुनर्निर्माण को शासन की स्वीकृति मिल गई है।

पुखरायां कस्बा झांसीकानपुर हाईवे पर स्थित होने के कारण क्षेत्र का प्रमुख आवागमन केंद्र माना जाता है। यहां से प्रतिदिन सैकड़ों यात्री कानपुर, झांसी, उरई समेत कई शहरों के लिए बसों से सफर करते हैं।

आसपास के दर्जनों गांवों के लोग भी बस पकड़ने के लिए पुखरायां ही आते हैं, लेकिन वर्षों से जर्जर पड़े बस अड्डे के कारण यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था।

पुखरायां का पुराना बस अड्डा लंबे समय से खंडहर जैसी स्थिति में खड़ा है। भवन की कई दीवारें टूट चुकी

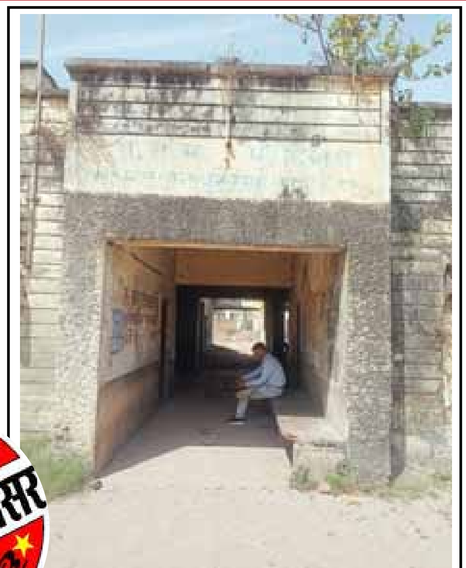

थीं और छतें भी जर्जर हो गई थीं। यात्रियों के बैठने की समुचित व्यवस्था नहीं थी। असामाजिक तत्वों और शराबियों का भी वहां जमावड़ा लगा रहता था।

सबसे बड़ी समस्या यह थी कि बस अड्डे पर पेयजल, शौचालय और प्रतीक्षालय जैसी बुनियादी सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं थीं।

बारिश और तेज धूप में यात्रियों को खुले में खड़े होकर बसों का इंतजार करना पड़ता था। कई बार यात्रियों को सड़क किनारे खड़े होकर बस का इंतजार करना पड़ता था, जिससे दुर्घटना का खतरा भी बना रहता था। स्थानीय लोगों के अनुसार रोजाना बड़ी संख्या में महिलाएं, बुजुर्ग और छात्र-छात्राएं यहां से यात्रा करते हैं, लेकिन बस अड्डे की बदहाल स्थिति उनके लिए बड़ी परेशानी का कारण बनी हुई थी।

क्षेत्र के उद्योगों से भी बढ़ता है आवागमन

पुखरायां क्षेत्र में कई छोटे-बड़े औद्योगिक प्रतिष्ठान भी स्थापित हैं। इन उद्योगों में काम करने वाले मजदूरों और कर्मचारियों का भी बड़ी संख्या में आवागमन इसी कस्बे से होता है। ऐसे में बस अड्डे का जर्जर होना लंबे समय से क्षेत्रीय जनता के लिए गंभीर समस्या बना हुआ था।

ध्वस्तीकरण का शुरू हो गया कार्य

बस अड्डे के कायाकल्प का प्रस्ताव करीब पांच माह पहले शासन को भेजा गया था, जिसे अब मंजूरी मिल गई है। करीब 2.75 करोड़ रुपये की लागत से बस अड्डे का नया भवन बनाया जाएगा। निर्माण कार्य की जिम्मेदारी संबंधित कार्यदायी संस्था को सौंपी गई है और पुराने भवन को ध्वस्त करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

यात्रियों को मिलेंगी आधुनिक सुविधाएं

नए बस अड्डे में यात्रियों के लिए प्रतीक्षालय, पेयजल, शौचालय, बैठने की समुचित व्यवस्था, बसों के लिए पर्याप्त स्थान, छाया की व्यवस्था समेत अन्य जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इससे यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी और आवागमन भी अधिक सुरक्षित व सुगम हो सकेगा।

लंबे समय से उठ रही थी मांग

स्थानीय व्यापारियों और क्षेत्रीय लोगों द्वारा लंबे समय से पुखरायां बस अड्डे के पुनर्निर्माण की मांग की जा रही थी। अब शासन से मंजूरी मिलने के बाद लोगों में खुशी है और उन्हें उम्मीद है कि जल्द ही बस अड्डे की तस्वीर बदलेगी और यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

» पुखरायां कस्बे में हादसा, उपचार के दौरान तोड़ा दम

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के पुखरायां कस्बे में एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक गंभीर रूप से घायल हो गया था। स्थानीय लोगों की मदद से उसे उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पुखरायां में भर्ती कराया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया। जहां उपचार के दौरान युवक ने दम तोड़ दिया। घटना के बाद मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया।बरौर थाना क्षेत्र के कैलई गांव निवासी अमित (28) बाइक से पुखरायां आया हुआ था। बताया जा रहा है कि जब वह वापस अपने गांव लौट रहा था, तभी पुखरायां कस्बे में इंटर कॉलेज के सामने उसकी बाइक में किसी अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने घायल युवक को तुरंत उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पुखरायां पहुंचाया। वहां मौजूद चिकित्सकों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जहां उसकी मौत हो गई। जैसे ही घटना की सूचना परिजनों को मिली, घर में कोहराम मच गया और परिजन जिला अस्पताल पहुंच गए। सूचना मिलने पर पुखरायां चौकी इंचार्ज अमरेन्द्र प्रताप सिंह मौके पर पहुंचे। कहाकि टक्कर मारने वाले अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है।

तेज रफ्तार ट्रेलर डिवाइडर से टकराया, अगला हिस्सा हवा में लटका

हाईवे पर घंटों लगा भीषण जाम, सड़क पर बिखरे लोहे के तारों को हटाकर मार्ग साफ कराया गया

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रनिया थाना क्षेत्र के बिसायकपुर के पास एक भीषण सड़क हादसा हो गया। कोलकाता से औरंगाबाद की ओर जा रहा लोहे के भारी तारों से लदा एक तेज रफ्तार ट्रेलर अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रेलर का अगला हिस्सा करीब दस फीट तक हवा में लटक गया और वाहन का अगला भाग बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और हाईवे की कानपुर से अकबरपुर जाने वाली लेन पर लंबा जाम लग गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रेलर काफी तेज गति से चल रहा था। अचानक चालक वाहन से संतुलन खो बैठा और ट्रेलर सीधे डिवाइडर से जा टकराया। टक्कर के बाद ट्रेलर में लदे भारी लोहे के तार सड़क पर बिखर गए, जिससे यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। कुछ ही देर में हाईवे पर वाहनों की लंबी कतारें लग गई और यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। हादसे में ट्रेलर चालक प्रताप (निवासी झारखंड) और परिचालक पुष्पेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई और तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही रनिया थाना प्रभारी दिनेश कुमार गौतम पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू कराया। पुलिस ने दोनों घायलों को जिला अस्पताल भिजवाया। बताया जा रहा है कि ट्रेलर कोलकाता से लोहे के तार लेकर औरंगाबाद जा रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों का दावा है कि चालक कथित तौर पर नशे की हालत में था, जिसके चलते उसने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया और यह बड़ा हादसा हो गया। हालांकि पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। हादसे के बाद सड़क पर फैले लोहे के भारी तारों के कारण हाईवे पर यातायात पूरी तरह ठप हो गया। स्थिति को सामान्य करने

के लिए पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त ट्रेलर को हटवाया गया और सड़क पर बिखरे लोहे के तारों को हटाकर मार्ग साफ कराया गया। इस दौरान कई घंटे तक हाईवे पर जाम की स्थिति बनी रही।

तीन दिन से सूखे पड़े हर घर जल के नल बूंद-बूंद पानी को तरसे 5000 ग्रामीण

मलासा गांव में गहराया पेयजल संकट, जिला प्रशासन की लापरवाही से बढ़ी मुश्किलें

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

कानपुर देहात। विकासखंड मलासा के मलासा गांव में पिछले तीन दिनों से पेयजल आपूर्ति पूरी तरह ठप पड़ी हुई है। गांव की करीब 5000 की आबादी बूंद-बूंद पानी के लिए तरसने को मजबूर है। हैरानी की बात यह है कि कई बार शिकायत किए जाने के बावजूद भी जिला प्रशासन और संबंधित विभाग के अधिकारियों ने अब तक समस्या के समाधान के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। इससे ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

ग्रामीणों के अनुसार गांव में लगे पानी के स्टैंड और पाइपलाइन से पिछले तीन दिनों से पानी नहीं आ रहा है। गांव के नल सूखे पड़े हैं, जिससे लोगों को पीने के पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग सुबह से ही हैंडपंपों पर लंबी कतार लगाकर पानी भरने के लिए मजबूर हैं। कई जगहों पर एक ही हैंडपंप पर पूरे मोहल्ले के लोग निर्भर हैं, जिससे घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। जल संकट की जानकारी संबंधित विभाग को दी जा चुकी है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित हैं। जिला प्रशासन की उदासीनता के चलते समस्या जस की तस बनी हुई है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते अधिकारियों ने ध्यान दिया होता तो गांव के लोगों को इस गंभीर संकट का सामना नहीं करना पड़ता।

भीषण गर्मी के बीच पानी की किल्लत ने ग्रामीणों की परेशानी कई गुना बढ़ा दी है। घरों में पीने का पानी तक उपलब्ध नहीं है, जिससे लोगों का दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है। वहीं पशुओं के लिए पानी की व्यवस्था करना भी ग्रामीणों के लिए बड़ी चुनौती बन गया है। कई परिवारों को दूर-दराज के हैंडपंपों और कुओं से पानी ढोकर लाना पड़ रहा है। गांव के बुजुर्गों का कहना है कि इतने बड़े गांव में लगातार तीन दिन तक पानी की आपूर्ति ठप रहना जिला प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। ग्रामीणों का आरोप है कि प्रशासनिक लापरवाही और जिम्मेदार अधिकारियों की अनदेखी के कारण यह समस्या विकराल रूप लेती जा रही है।

बढ़ रहा ग्रामीणों में आक्रोश

पानी की समस्या को लेकर गांव में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द ही पेयजल आपूर्ति बहाल नहीं की गई और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई तो वे मजबूर होकर आंदोलन का रास्ता अपनाएंगे। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि समस्या का समाधान न होने पर जिला प्रशासन के खिलाफ धरना-प्रदर्शन किया जाएगा।

इस सम्बन्ध में सहायक अभियंता संजय सिंह ने बताया है कि जानकारी नहीं है अभी उसको दिखवाया जा रहा है। जल्द ही आपूर्ति शुरू कराई जायेगी।

14-15 वर्ष की किशोरियों को लगेगी एचपीवी वैक्सीन

पीएचसी प्रभारी ने एएनएम को दिए सख्त निर्देश 1 अप्रैल से शुरू होगा विशेष अभियान

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

कानपुर देहात। राजपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) क्षेत्र में 14 से 15 वर्ष की किशोरियों को एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) वैक्सीन लगाने की तैयारी शुरू कर दी गई है। इसको लेकर पीएचसी प्रभारी डॉ. सलिल सचान ने ब्लॉक क्षेत्र की एएनएम के साथ बैठक कर अभियान को सफल बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बैठक में बताया गया कि उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार 14 से 15 वर्ष तक की किशोरियों को एचपीवी वैक्सीन लगाई जाएगी। यह विशेष टीकाकरण अभियान 1 अप्रैल से 30 जून तक संचालित किया जाएगा। पीएचसी प्रभारी डॉ. सलिल सचान ने ब्लॉक क्षेत्र की 25 एएनएम के साथ बैठक कर उन्हें निर्देश दिए कि टीकाकरण से पहले पात्र किशोरियों की ड्यूटी लिस्ट तैयार की जाए, ताकि अभियान के दौरान किसी भी पात्र किशोरी को टीकाकरण से वंचित न रहना पड़े।

उन्होंने कहा कि सभी एएनएम अपने-अपने क्षेत्र में गांव-गांव जाकर 14 से 15 वर्ष की किशोरियों का सर्वेक्षण करें और उनका पूरा विवरण तैयार करें। सर्वे के आधार पर ड्यू लिस्ट बनाई जाएगी और उसी के अनुसार टीकाकरण सत्र आयोजित किए जाएंगे। बैठक में डॉ. सचान ने यह भी स्पष्ट किया कि टीकाकरण सत्र के दौरान एएनएम की उपस्थिति अनिवार्य होगी और उन्हें समय पर सेशन स्थल पर पहुंचना होगा। उन्होंने चेतावनी दी कि अभियान में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग का मानना है कि एचपीवी वैक्सीन किशोरियों को गंभीर बीमारियों से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी, इसलिए इस अभियान को सफल बनाने के लिए स्वास्थ्य कर्मियों को पूरी जिम्मेदारी के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं।

चार दिन से फुंका पड़ा ट्रांसफार्मर, जिम्मेदारों की आंखे बंद

पानी व गर्मी से जूझ रहे ग्रामीण, बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

कानपुर देहात। अमरौधा ब्लॉक क्षेत्र के जहांगीरपुर गांव में पिछले चार दिनों से फुंका पड़ा ट्रांसफार्मर ग्रामीणों के लिए भारी परेशानी का कारण बना हुआ है। ट्रांसफार्मर खराब होने से करीब डेढ़ दर्जन घरों की बिजली आपूर्ति ठप हो गई है, जिससे लोगों को भीषण गर्मी और पानी की समस्या का सामना करना पड़ रहा है।

अमरौधा ब्लॉक के जहांगीरपुर गांव में सड़क किनारे रखा 25 केवीए का ट्रांसफार्मर मंगलवार को फुंक गया था। इससे तमाम घरों में अंधेरा छा गया। ग्रामीणों ने बताया कि ट्रांसफार्मर फुंकने की सूचना तत्काल बिजली विभाग को दे दी गई थी, लेकिन चार दिन बीत जाने के बाद भी विभाग की ओर से ट्रांसफार्मर नहीं बदला गया। इससे लोगों में बिजली विभाग के प्रति आक्रोश बढ़ता जा रहा है। गांव के हबीबुल हसन, अख्तर, रहीसुद्दीन, मुफीस, आशिक अली और आसिफ सहित अन्य ग्रामीणों का कहना है कि बिजली न होने से सबसे अधिक परेशानी पानी की व्यवस्था और भीषण गर्मी के कारण हो रही है। घरों में लगे मोटर और पंखे बंद पड़े हैं, जिससे दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है। वहीं सट्टी क्षेत्र के अवर अभियंता के.डी. वर्मा ने बताया कि समस्या की जानकारी है और आज शाम तक नया ट्रांसफार्मर रखवा दिया जाएगा, जिससे बिजली आपूर्ति बहाल हो सकेगी।

सरकारी अस्पताल में इलाज कराने गई मां के सामने बेटे को पीटा

डॉक्टर स्टाफ पर मारपीट का आरोप, घायल वृद्धा ने पुलिस में दी तहरीर

» इलाज कराने पहुंचे बेटे से विवाद के बाद डॉक्टर व सहयोगियों पर मारपीट का आरोप, जांच के लिए टीम गठित

स्वराज इंडिया ब्यूरो

आजमगढ़.। मंडलीय अस्पताल में गुरुवार को इलाज कराने आई एक वृद्ध महिला और उसके बेटे के साथ कथित मारपीट का मामला सामने आया है। घायल महिला के बेटे ने आर्थो सर्जन और उसके सहयोगियों पर मारपीट करने का आरोप लगाया है। मामले में वृद्धा ने पुलिस चौकी में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार जहानागंज थाना क्षेत्र के करनपुर गांव निवासी 85 वर्षीय सावित्री सिंह पत्नी स्व. नरेंद्र सिंह के हाथ में फ्रैक्चर हो गया था। गुरुवार को वह अपने बेटे

देवेंद्र सिंह के साथ इलाज कराने मंडलीय अस्पताल पहुंचीं। बताया गया अस्पताल के कमरा नंबर 26 में आर्थो सर्जन डॉ. विनोद कुमार को दिखाने गई थीं।

आरोप है कि डॉक्टर ने उन्हें देखने से इनकार कर दिया। इस पर देवेंद्र सिंह ने अपनी मां का इलाज करने की गुहार लगाई, जिससे विवाद हो गया। आरोप है कि इसी दौरान डॉक्टर ने वृद्धा का हाथ पकड़कर उन्हें कमरे से बाहर निकाल दिया और अपने सहयोगियों के साथ मिलकर देवेंद्र सिंह के साथ मारपीट की।

पीड़ित पक्ष का कहना है कि इस दौरान सावित्री सिंह के साथ भी धक्का-मुक्की की गई।

विवाद बढ़ने पर अस्पताल के अन्य कर्मचारी मौके पर पहुंच गए। हंगामे की सूचना पर अस्पताल के सुरक्षा गार्ड और बलरामपुर चौकी पुलिस भी पहुंच गई। पुलिस ने जांच कर कार्रवाई का भरोसा दिया, जिसके बाद मामला शांत हुआ।

घटना के बाद सावित्री सिंह ने आरोपी डॉक्टर के खिलाफ बलरामपुर पुलिस चौकी में लिखित तहरीर दी है।

इस संबंध में एसआईसी डॉ. सतीश कन्नौजिया ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है और जांच के लिए टीम गठित कर दी गई है। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

स्वास्थ्य व्यवस्था और निजीकरण पर उठ रहे सवाल

इस घटना के बाद प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। प्रदेश सरकार द्वारा पिछले कुछ वर्षों में स्वास्थ्य क्षेत्र में निजी निवेश को बढ़ावा देने और पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल के तहत अस्पतालों के विस्तार पर जोर दिया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा विभिन्न जिलों में कई निजी मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों का उद्घाटन भी किया गया है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि निजी क्षेत्र के विस्तार के साथ-साथ सरकारी अस्पतालों की सुविधाओं, डॉक्टरों की उपलब्धता और मरीजों के साथ व्यवहार में सुधार भी उतना ही जरूरी है। अन्यथा गरीब और जरूरतमंद मरीजों के लिए गुणवत्तापूर्ण इलाज तक पहुंच एक बड़ी चुनौती बनी रह सकती है।

दवा पर भी असर, पैरासिटामॉल समेत कई साल्ट हो गए महंगे

इजराइल-अमेरिका और ईरान के युद्ध की वजह से पैरासिटामॉल समेत कई दवाओं के साल्ट मंहगे हो गए हैं

स्वराज इंडिया ब्यूरो

मेरठ। इजराइल-अमेरिका और ईरान के युद्ध की वजह से पैरासिटामॉल समेत कई दवाओं के साल्ट मंहगे हो गए हैं। दवा में इस्तेमाल होने वाला कच्चा माल (एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रेडिएंट-एपीआई) 25 से 40 फीसदी तक महंगा होने से दवाओं के उत्पादन पर असर पड़ रहा है।हालत यह है कि दवाओं के दाम में 20 से 40 फीसदी तक उछाल आ गया है। एपीआई के दाम में बढ़ोतरी से फार्मा उद्यमियों के ऑर्डर को डिस्ट्रीब्यूटर व एपीआई उत्पादकों ने रद्द कर नए दाम पर ऑर्डर देने को कहा है।जिला ड्रगिस्ट एंड केमिस्ट एसोसिएशन के मुताबिक दवाओं के कच्चे माल की कीमतों में वृद्धि ने स्थिति गंभीर बना दी है। एपीआई के दाम में बढ़ोतरी से सस्ती दवा बनाना मुश्किल हो गया है। दवा कंपनियां सरकार की तय कीमतों के तहत ही जरूरी दवाओं का उत्पादन करती हैं, लेकिन कच्चे माल के दाम बढ़ने के बावजूद दवाओं की कीमत बढ़ाना संभव नहीं है। ऐसे में उद्योगों को काफी नुकसान उठाना पड़ सकता है।

एसोसिएशन के महामंत्री रजनीश कौशल रज्जन बताते हैं कि एपीआई के दाम अचानक बढ़ा दिए गए हैं। अगर इसी तरह कीमतों में वृद्धि जारी रही तो दवा उत्पादन प्रभावित होना तय है। रजनीश कौशल ने बताया कि 40 फीसदी तक दवाओं के दाम बढ़ गए हैं। उन्होंने चेताया कि आने वाले समय में जीवन रक्षक दवाओं की वैश्विक बाजार में कमी भी हो सकती है।

ऐसे बढ़ गई दवा की कीमतें

दवा कारोबारी आयुष ने बताया कि गले के इन्फेक्शन में काम आने वाले एजिथ्रोमाइसिन की तीन गोली 80 रुपये की थीं जो अब 98 रुपये की हो गई हैं। इसी तरह ग्लिसरीन की 100 ग्राम की शीशी के दाम 160 रुपये हो गए हैं। 10 गोली का पैरासिटामॉल का पत्ता आठ से बढ़कर 14 रुपये हो गया है।

मोंटेलूकास्ट सोडियम की 10 गोली का पत्ता 180 रुपये का था, जो अब 240 का हो गया है। दर्द निवारक डायक्लोफेनक सोडियम की 10 गोली 20 रुपये की थीं, जो अब 35 रुपये की हो गई हैं। ऐसे ही एंटीबायोटिक सिप्रोफ्लोक्सेसिन का 10 गोली का पत्ता 48 के बजाय 60 रुपये में मिलेगा। एंटीबायोटिक एमिकासिन का 10 गोली का पत्ता 113 से बढ़कर 140 रुपये का हो गया है।

अवैध खनन करने पर बालू पट्टा निरस्त, 1.63 करोड़ रुपए वसूली का आदेश

जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी ने फर्म को दो वर्ष के लिए काली सूची में डाला

स्वराज इंडिया ब्यूरो

फर्रुखाबाद । जनपद के अमृतपुर तहसील क्षेत्र में अवैध खनन और नियमों का उल्लंघन करने पर 1.63.35.888 करोड़ की बकाएदार से बसूली करने के लिए तहसील अमृतपुर के ग्राम आसम्पुर में संचालित बालू खनन प?ट्टा तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया है।

फर्म को दो वर्ष के लिए ब्लैकलिस्ट कर दिया है। जिलाधिकारी ने फर्म को दो वर्ष के लिए काली सूची में डालते हुए उस पर अर्थदंड भी लगया है। पट्टा निरस्त करने के आदेश खनन अधिकारी के औचक निरीक्षण के बाद दी गई रिपोर्ट पर दिया गया। निरीक्षण में आबंटित क्षेत्र से करीब 420 मीटर दूर एक पोकलैंड मशीन अवैध खनन करते हुए बरामद की है । जांच में स्वोकृत सीमा से अधिक मिट्टी और साधारण बालू का खनन कर उसे बेच दिया गया।

निरीक्षण के दौरान बाद पट्टेदार पर 50 हजार रुपये प्रतिदिन की दर से कुल 30 लाख रुपये का जुर्माना किया गया। जांच में 248 वाहनों के माध्यम से सरकार को लाखो रुपए राजस्व का नुकसान किया है। क्षेत्र में लगे कैमरा कमांड सेंटर से अलग होने पर लाखों रुपए जुर्माना लगाया गया द्य प्रशासन ने कई बार नेटिस देकर स्पष्टीकरण मांगा नही दिया,

जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी ने वर्ष 2021 से 2006 तक के लिए स्वीकृत इस पटुटे को निरस्त करते हुए खनन क्षेत्र को रिक्त घोषित कर दिया। डीएम आदेश पर पट्टेदार अनंतराम शाक्य पर रायल्टी वर्ष की ब्याज सहित धनराशि वसूली के लिए आरसी जारी की गई है जिलाधिकारी ने थाना अमृतपुर और तहसील प्रशासन को निर्देश दिया है कि तीन दिन के भीतर खनन क्षेत्र से सभी मशीनें और सामग्री जप्त करने के निर्देश दिए हैं ।

होटल-रेस्टोरेंट की रसोई ठंडी, चूल्हे-भट्ठियां फिर जलीं

कमर्शियल गैस की आपूर्ति प्रभावित, श्रद्धालुओं की भीड़ के बीच भोजन व्यवस्था बनी बड़ी चुनौती

अधिकतर इंडक्शन चूल्हों का सहारा ले रहे लोग

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। रामनगरी में कमर्शियल गैस सिलेंडर की आपूर्ति प्रभावित होने से होटल और रेस्टोरेंट संचालकों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। गैस की कमी के चलते शहर के कई प्रतिष्ठित होटल और भोजनालय अब वैकल्पिक इंतजामों के सहारे रसोई चला रहे हैं।

सिविल लाइंस क्षेत्र के होटल शाने अवध, होटल तिरुपति और अवंतिका रेस्टोरेंट सहित कई प्रतिष्ठानों ने गैस संकट के चलते अन्य विकल्प तलाशने शुरू कर दिए हैं। कई स्थानों पर पारंपरिक लकड़ी के चूल्हे और मिट्टी के चूल्हे फिर से जलते दिखाई दे रहे हैं, जबकि कुछ रेस्टोरेंट में कोयले की भट्ठी बनाकर भोजन तैयार किया जा रहा है।

बड़े होटलों ने किसी तरह व्यवस्था बनाए रखने के लिए बिजली से चलने वाले इंडक्शन चूल्हों का सहारा लेना शुरू किया है। इधर रामनगरी में श्रद्धालुओं की लगातार बढ़ती संख्या के कारण होटल और रेस्टोरेंट पर भोजन व्यवस्था का दबाव भी बढ़ गया है। होटल स्टाफ और तीर्थयात्रियों के लिए भोजन तैयार करना संचालकों के लिए बड़ी चुनौती बन गया है। होटल संचालकों ने सरकार और गैस

एजेंसियों से जल्द कमर्शियल गैस आपूर्ति बहाल करने की मांग की है, ताकि रामनगरी में आने वाले श्रद्धालुओं को भोजन व्यवस्था में परेशानी न उठानी पड़े।

राष्ट्रपति आगमन से पहले रामनगरी में सजावट, स्वच्छता की विशेष तैयारी

महापौर ने अधिकारियों संग की समीक्षा बैठक, पार्किंग स्थलों व प्रमुख मार्गों पर विशेष व्यवस्था के निर्देश

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के 19 मार्च को प्रस्तावित अयोध्या आगमन को लेकर नगर निगम ने व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। तिलक हाल में आयोजित बैठक में महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने अधिकारियों के साथ व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के निर्देश दिए।

महापौर ने अंडरपास, बृहस्पति कुंड, लता चौक, राम की पैड़ी और सरयू तट सहित प्रमुख स्थलों की विशेष सफाई और सजावट कराने को कहा। साथ ही अतिथियों के ठहराव स्थलों, रेलवे स्टेशन, बस अड्डे, टैक्सी स्टैंड और भंडारा स्थलों पर भी विशेष सफाई अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। नगर निगम द्वारा 20 पार्किंग स्थलों पर प्रकाश व्यवस्था और साफ-सफाई सुनिश्चित की जाएगी। लगभग साढ़े आठ किलोमीटर लंबे मार्ग पर पेयजल, मोबाइल शौचालय और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी व्यवस्था की जाएगी, ताकि आगंतुकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

अयोध्या | **रामनगरी में श्रद्धालुओं की पिटाई !**

पार्किंग ठेकेदारों की गुंडागर्दी से अयोध्या की छवि पर दाग

» ऑनलाइन पेमेंट को लेकर विवाद, अमेठी से आए श्रद्धालुओं को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा, महिला और बच्चों तक को नहीं बख्शा

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। राम के नाम पर दुनिया भर से श्रद्धालुओं को बुलाने वाली रामनगरी में इन दिनों एक नया स्वागत मॉडल चर्चा में है–पहले पार्किंग की मनमानी वसूली, फिर विरोध करो तो दौड़ा-दौड़ाकर पिटाई। ताजा मामला अयोध्या कोतवाली के नया घाट चौकी क्षेत्र में नगर निगम की पार्किंग का बताया जा रहा है। यहां अमेठी से दर्शन करने आए श्रद्धालुओं के साथ पार्किंग शुल्क को लेकर कहासुनी हुई। आरोप है कि ऑनलाइन पेमेंट को लेकर शुरू हुआ मामूली विवाद देखते-देखते हिंसा में बदल गया और पार्किंग ठेकेदार के लोगों ने फिल्मी अंदाज में श्रद्धालुओं को दौड़ा-दौड़ा कर पीटना शुरू कर दिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक इस मारपीट में महिलाओं और बच्चों तक को नहीं बख्शा गया। अमेठी से आए एक श्रद्धालु लगातार कहता रहा कि वह पुलिस विभाग से जुड़ा है, लेकिन आरोप है कि ठेकेदार के लोग उल्टा पुलिस के खिलाफ अपशब्द बोलते हुए मारपीट करते रहे। इस घटना से बच्चे तक सहम गए।

सवाल यह है कि रामलला के दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं का यही स्वागत होगा?

नगर निगम की पार्किंग में चल रही कथित मनमानी वसूली और ठेकेदारों की दबंगई अब सीधे–सीधे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सुशासन वाली छवि और अयोध्या की प्रतिष्ठा पर चोट करती दिखाई दे रही है। रामनगरी में आस्था तो सुरक्षित है, लेकिन क्या श्रद्धालु भी सुरक्षित हैं? यही सवाल अब सड़कों पर खड़ा है।

अमेरिका-दक्षिण कोरिया सैन्य अभ्यास के बीच उत्तर कोरिया का मिसाइल परीक्षण

जापान सागर की ओर दागे कई बैलिस्टिक मिसाइल

स्वराज इंडिया ब्यूरो

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्व एशिया में एक बार फिर सैन्य तनाव बढ़ गया है। परमाणु शक्ति संपन्न देश North Korea ने शनिवार को अपने पूर्वी तट से जापान सागर की दिशा में कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। दक्षिण कोरियाई सेना और जापान के रक्षा मंत्रालय ने इस परीक्षण की पुष्टि की है।

दक्षिण कोरिया के संयुक्त चीफ ऑफ स्टाफ के अनुसार मिसाइलें उत्तर कोरिया की राजधानी क्षेत्र के आसपास से दागी गईं और समुद्र की ओर उड़ान भरने के बाद गिर गईं। जापान की तटरक्षक एजेंसी ने भी कहा कि सभी मिसाइलें उसके विशेष आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) के बाहर समुद्र में गिरीं और किसी प्रकार का नुकसान नहीं हुआ। यह परीक्षण ऐसे समय हुआ है जब युनाइटेड स्टेट्स और साउथ कोरिया के बीच वार्षिक संयुक्त सैन्य अभ्यास फ्रीडम शील्ड चल रहा है। वॉशिंगटन और सियोल इसे रक्षात्मक अभ्यास बताते हैं, लेकिन प्योंगयांग इसे अपने खिलाफ युद्ध की तैयारी मानता है और अक्सर इसके जवाब में मिसाइल परीक्षण करता है।

प्योंगयांग की नई सैन्य ताकत का प्रदर्शन, जापान ने जारी किया अलर्ट, क्षेत्र में फिर बढ़ा तनाव

रिपोर्टों के अनुसार शनिवार को उत्तर कोरिया ने लगभग 10 बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं, जिन्हें क्षेत्र में शक्ति प्रदर्शन के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि इन मिसाइलों की सटीक दूरी और प्रकार के बारे में आधिकारिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है। इधर, जापान सरकार ने इस प्रक्षेपण के बाद तुरंत आपात प्रतिक्रिया तंत्र सक्रिय कर दिया और संभावित सुरक्षा जोखिमों का आकलन शुरू किया। जापान के सार्वजनिक प्रसारक एनएचके ने भी बताया कि यह घटना क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर चिंता का विषय बन सकती है।

कूटनीतिक स्तर पर भी गतिविधि तेज हो गई है। दक्षिण कोरिया के प्रधानमंत्री किम मिन-सोक इन दिनों वॉशिंगटन दौरे पर हैं, जहां उन्होंने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की। बताया जा रहा है कि अमेरिका उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन के साथ रुकी हुई वार्ता फिर शुरू करने की संभावनाओं पर विचार कर रहा है। सूत्रों के अनुसार अमेरिका-चीन वार्ता के संभावित मंच पर भी उत्तर कोरिया का मुद्दा उठ सकता है, क्योंकि हाल के वर्षों में प्योंगयांग ने अपने परमाणु और मिसाइल कार्यक्रमों को तेज गति से आगे बढ़ाया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह परीक्षण केवल सैन्य शक्ति का प्रदर्शन ही नहीं, बल्कि अमेरिका और उसके सहयोगियों पर राजनीतिक दबाव बनाने की रणनीति भी हो सकता है। यदि क्षेत्र में इस तरह के परीक्षण जारी रहे तो पूर्वी एशिया में सुरक्षा स्थिति और जटिल हो सकती है।

क्षेत्रीय असर
- जापान ने सुरक्षा अलर्ट जारी किया।
- पूर्वी एशिया में सैन्य तनाव बढ़ने की आशंका।

क्यों अहम है यह मिसाइल परीक्षण
- अमेरिका-दक्षिण कोरिया के फ्रीडम शील्ड सैन्य अभ्यास के दौरान हुआ।
- उत्तर कोरिया अक्सर ऐसे अभ्यासों के जवाब में मिसाइल परीक्षण करता है।

कितनी मिसाइलें दागी गईं
- दक्षिण कोरिया के अनुसार लगभग 10 बैलिस्टिक मिसाइलें दागी गईं।

कहां गिरीं मिसाइलें
- जापान सागर में गिरीं और जापान के विशेष आर्थिक क्षेत्र के बाहर समाप्त हो गईं।

कूटनीतिक गतिविधि तेज
- दक्षिण कोरिया के प्रधानमंत्री का वॉशिंगटन दौरा।
- अमेरिका और उत्तर कोरिया के बीच संभावित वार्ता की चर्चा।

ईरान के खार्ग द्वीप पर अमेरिका का बड़ा हमला

स्वराज इंडिया ब्यूरो

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी टकराव के बीच अमेरिका ने ईरान के रणनीतिक खार्ग द्वीप पर बड़ा सैन्य हमला किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि अमेरिकी सेना ने इस द्वीप पर मौजूद सभी प्रमुख ईरानी सैन्य ठिकानों को ÷पूरी तरह नष्ट÷ कर दिया है। हालांकि अमेरिका ने फिलहाल द्वीप के तेल निर्यात ढांचे को निशाना नहीं बनाया है, लेकिन भविष्य में ऐसा करने की चेतावनी भी दी है।

फारस की खाड़ी में स्थित खार्ग द्वीप ईरान की अर्थव्यवस्था का सबसे अहम तेल निर्यात केंद्र माना जाता है। विशेषज्ञों के मुताबिक यहां से ईरान के करीब 90 प्रतिशत कच्चे तेल का निर्यात होता है। द्वीप ईरान के तट से लगभग 30 किलोमीटर दूर है और इसे देश की ऊर्जा आपूर्ति का मुख्य केंद्र माना जाता है। ट्रंप ने अपने बयान में कहा कि अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने उनके आदेश पर "मध्य-पूर्व के इतिहास की सबसे शक्तिशाली बमबारी अभियानों में से एक" को अंजाम दिया। उन्होंने कहा कि अमेरिकी हथियारों की ताकत के बावजूद तेल ढांचे को जानबूझकर नहीं नष्ट किया गया, लेकिन अगर होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही बाधित की गई तो तेल सुविधाओं को भी निशाना बनाया जा सकता है।

इस बीच पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण अमेरिका ने क्षेत्र में अपनी सैन्य उपस्थिति और बढ़ाने का फैसला किया है। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक करीब 2,500 अतिरिक्त मरीन सैनिकों और कम से कम एक युद्धपोत को क्षेत्र की ओर भेजा गया है। 31वीं मरीन एक्सपेडिशनरी यूनिट और यूएसएस त्रिपोली को तैनाती के आदेश दिए गए हैं। दूसरी ओर ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई तेज कर दी है। रिपोर्टों के अनुसार ईरान ने इजराइल और खाड़ी क्षेत्र के कुछ देशों पर मिसाइल व ड्रोन हमले बढ़ाए हैं और दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्गों में से एक होर्मुज जलडमरूमध्य को बाधित करने की कोशिश की है।

इसी दौरान तेहरान में एक बड़े विस्फोट की भी खबर आई, जिससे शहर के केंद्रीय इलाके में दहशत फैल गई। घटना उस समय हुई जब हजारों लोग फलस्तीनियों के समर्थन में आयोजित वार्षिक रैली में शामिल थे। हालांकि शुरुआती रिपोर्टों में किसी बड़े नुकसान की पुष्टि नहीं हुई है। अमेरिका ने ईरान के शीर्ष नेतृत्व पर भी दबाव बढ़ाया है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के "रिवॉर्ड्स फॉर जस्टिस" कार्यक्रम के तहत ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई समेत कई वरिष्ठ अधिकारियों की जानकारी देने वाले के लिए 1 करोड़ डॉलर तक का इनाम घोषित किया गया है। उधर, होर्मुज जलडमरूमध्य में भारतीय ध्वज वाले कुछ जहाजों के फंसे होने की खबरों के बीच भारत में ईरान के राजदूत मोहम्मद फताली ने कहा कि ईरान इस मुद्दे को सुलझाने की कोशिश कर रहा है और भारत-ईरान के रिश्ते मजबूत हैं। पश्चिम एशिया में तेजी से बढ़ती सैन्य गतिविधियों और तेल मार्गों पर खतरे ने वैश्विक स्तर पर चिंता बढ़ा दी है, क्योंकि इस क्षेत्र से होकर गुजरने वाला समुद्री मार्ग दुनिया के तेल व्यापार के लिए बेहद अहम माना जाता है।

फारस की खाड़ी में बढ़ा तनाव

खार्ग द्वीप क्यों है ईरान की "तेल लाइफलाइन"
- **स्थान:** फारस की खाड़ी में स्थित खार्ग आइसलैंड ईरान के तट से लगभग 25-30 किमी दूर है
- **तेल निर्यात का मुख्य केंद्र:** ईरान के कुल कच्चे तेल निर्यात का लगभग 85-90% हिस्सा इसी द्वीप से दुनिया भर में भेजा जाता है
- **सबसे बड़ा ऑयल टर्मिनल:** यहां ईरान का सबसे बड़ा तेल भंडारण और लोडिंग टर्मिनल स्थित है
- **विशाल स्टोरेज क्षमता:** द्वीप पर दर्जनों बड़े टैंक हैं, जिनमें करोड़ों बैरल कच्चा तेल स्टोर किया जा सकता है
- **रणनीतिक पाइपलाइन नेटवर्क:** ईरान के कई बड़े तेल क्षेत्रों से पाइपलाइन सीधे खार्ग द्वीप तक आती हैं, जहां से तेल टैंकरों में भरकर निर्यात होता है
- **वैश्विक तेल आपूर्ति पर असर:** खार्ग द्वीप पर हमला या बंदी की स्थिति में वैश्विक तेल कीमतों में तेज उछाल आ सकता है।

- खार्ग द्वीप पर अमेरिकी एयरस्ट्राइक, ट्रंप का दावा–सभी सैन्य ठिकाने तबाह
- यह द्वीप ईरान के करीब 90% तेल निर्यात का मुख्य केंद्र है
- अमेरिका ने फिलहाल तेल ढांचे को निशाना नहीं बनाया, लेकिन भविष्य में हमला करने की चेतावनी
- पश्चिम एशिया में 2500 अतिरिक्त अमेरिकी मरीन और युद्धपोत तैनात किए जा रहे हैं
- ईरान की ओर से मिसाइल और ड्रोन हमले तेज होने की रिपोर्ट
- होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही प्रभावित होने का खतरा
- ईरानी शीर्ष अधिकारियों की जानकारी देने पर 10 मिलियन डॉलर इनाम की घोषणा
- बढ़ते तनाव से वैश्विक तेल बाजार और समुद्री व्यापार पर खतरा।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **सपना देवी** द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादक: अनूप कुमार** **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 ❍ **Email:** swarajindia2023@gmail.com ❍ Mob: 7800009853, ❍ **Website:** www.swarajindianews.com ❍ (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे) **प्रधान संपादक: पुरुषोत्तम द्विवेदी**

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com